खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 01 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-179


## भारत-जापान येन-रुपया

# डॉलर आउट

**नयी दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।**

भारत और जापान लोकल-करेंसी सेटलमेंट फ्रेमवर्क (स्थानीय मुद्रा में लेनदेन की व्यवस्था) की योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। निक्केई एशिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसके अनुसार, इससे दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए सीधे येन-रुपये में लेनदेन हो सकेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हफ्ते नई दिल्ली में जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची की मेजबानी करने की तैयारी कर रहे हैं।

निक्केई की रिपोर्ट के मुताबिक, उम्मीद है कि मोदी और तकाइची के बीच 16वें भारत-जापान सालाना शिखर सम्मेलन के बाद जारी होने वाले संयुक्त बयान में इस प्रस्ताव को शामिल किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, अगर इसे शामिल किया जाता है तो यह पहली बार होगा जब दोनों देशों के नेताओं के संयुक्त बयान में मुद्रा सहयोग को औपचारिक रूप से शामिल किया जाएगा।

तकाइची सालाना शिखर सम्मेलन के लिए 1 से 3 जुलाई तक भारत का दौरा करेंगी। 2025 के आखिर में पद संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस शिखर सम्मेलन से दोनों पक्षों को आपसी सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का मौका मिलेगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस यात्रा में व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाएगा।

निक्केई की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित फ्रेमवर्क के तहत भारत में नॉन-रेजिडेंट जापानी संस्थाओं को भारतीय बैंकों में खाते खोलने की अनुमति दी जाएगी। इससे दोनों देशों के वित्तीय संस्थान अमेरिकी डॉलर के जरिए लेनदेन किए बिना सीधे येन और रुपये में सीमा-पार भुगतान (क्रॉस बॉर्डर पेमेंट) का निपटान कर सकेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस व्यवस्था का मकसद फॉरेन करेंसी कंवर्जन की लागत कम करना, रेमिटेंस शुल्क घटाना और तीसरे देशों में कॉरेस्पोंडेंट बैंकों की जरूरत को खत्म करके सेटलमेंट के समय को कम करना है। निक्केई के अनुसार, जापान का वित्त मंत्रालय द्विपक्षीय लेनदेन में लोकल करेंसी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने का लक्ष्य बना रहा है। यह प्रस्ताव 2025 में अपनाए गए अगले दशक के लिए जापान-भारत संयुक्त विजन (जापान-इंडिया ज्वाइंट विजन फॉर द नेक्स्ट डिकेट) पर आधारित है।

▶10 पर

## जन्मभूमि मातृभूमि

### अमेरिका में जन्मजात नागरिकता कानून बरकरार

**वॉशिंगटन डीसी, 30 जून (एजेंसियां)।**

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक संवैधानिक फैसला सुनाते हुए कहा कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा जन्म से ही अमेरिकी नागरिक होगा, चाहे उसके माता-पिता देश में अवैध रूप से रह रहे हों या फिर अस्थायी वीजा पर आए हों। अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ऐसे बच्चों को जन्म से नागरिकता देने से इनकार किया गया था। यह फैसला 5-4 के बहुमत से आया। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का फैसला लिखा। अमेरिका में पिछले 158 साल से यह व्यवस्था लागू है कि वहां जन्म लेने वाला हर बच्चा अपने जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिक बन जाता है। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिकी संसद (कांग्रेस) सामान्य कानून बनाकर जन्म से नागरिकता के अधिकार का दायरा नहीं बदल सकती। अगर इस व्यवस्था में बदलाव करना है, तो इसके लिए संविधान में संशोधन करना होगा।ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण वाले दिन यानी 20 जनवरी 2025 को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। इसके कुछ ही दिन बाद कई संघीय (फेडरल) जिला अदालतों ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी। यानी ट्रम्प का आदेश लागू ही नहीं हो सका। हालांकि उस समय बर्थराइट सिटिजनशिप पर रोक नहीं लगी थी,

▶10 पर

# चंपत निर्दोष

**अयोध्या, 30 जून (एजेंसियां)।**

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले की जांच अब तेज हो रही है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के बाद उनका बयान दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में चंपत कई सवालों के जवाब नहीं दे पाए। इसके साथ ही पुलिस ने ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित लोगों सहित लगभग 70 लोगों को नोटिस जारी किए हैं। जांच में लगी पुलिस चढ़ावे के प्रबंधन, निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों की नियुक्ति और बैंकिंग प्रक्रिया की भी पड़ताल कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान चंपत राय से चढ़ावे के प्रबंधन की व्यवस्था, प्रशासनिक निर्णय, कर्मचारियों की जिम्मेदारियों और शिकायतों के निस्तारण को लेकर कई सवाल पूछे गए। जांच अधिकारियों ने उनके बयान को रिकॉर्ड किया है, जिसका मिलान अब अन्य गवाहों के बयानों और उपलब्ध दस्तावेजों से किया जाएगा। यदि जांच के दौरान जरूरत महसूस हुई तो उन्हें दोबारा भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अब यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि आखिर इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चढ़ावे की चोरी कैसे संभव हुई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट के पूर्व सदस्य अनिल मिश्रा, पदाधिकारी गोपाल राव समेत लगभग 70 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। इनमें ट्रस्ट से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी और अन्य संबंधित लोग शामिल बताए जा रहे हैं। इसके अलावा करीब 140 गवाहों के बयान दर्ज करने की तैयारी भी चल रही है। जांच एजेंसियां मंदिर के पांच से छह अन्य कर्मचारियों से भी पछताछ कर चुकी हैं। वहीं गणना व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े लगभग 30 लोगों से भी पछताछ की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूरी प्रक्रिया को समझे बिना चोरी की सटीक तस्वीर सामने नहीं आ सकती।

**चंपत राय से क्या-क्या पूछा गया**

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान जांच अधिकारियों ने चंपत राय से पूछा कि चढ़ावे की निगरानी की व्यवस्था कैसे संचालित होती थी, कर्मचारियों की जवाबदेही किसके पास थी और यदि पहले कोई शिकायत मिली थी तो उसका निस्तारण किस प्रकार किया गया। सूत्रों का दावा है कि चंपत राय ने पूछताछ में कहा कि चढ़ावा चोरी की घटना में उनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्हें मामले की जानकारी मिली, तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्धों को पकड़वाने और एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कराई गई। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चढ़ावे के सुरक्षित प्रबंधन की समग्र जिम्मेदारी ट्रस्ट की व्यवस्था का हिस्सा थी।

पूछताछ के दौरान कथित तौर पर कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर भी सवाल किए गए। सूत्रों के अनुसार, जांच अधिकारियों ने यह जानना चाहा कि रिश्तेदारों अथवा परिचितों को किस आधार पर जिम्मेदारियां दी गईं। इस पर चंपत राय ने कथित तौर पर कहा कि जरूरतमंद लोगों को अवसर दिया गया और नियुक्तियों की प्रक्रिया में केवल उनकी ही नहीं बल्कि ट्रस्ट के अन्य सदस्यों की भी भूमिका रही।

**बैंक तक पहुंची जांच, पांच साल का रिकॉर्ड मांगा**

एसआईटी की जांच केवल मंदिर परिसर तक सीमित नहीं रही। जांच टीम भारतीय स्टेट बैंक की अयोध्या धाम शाखा भी पहुंची।

▶10 पर

## बांग्लादेश 'इस्लामीकरण'

### 1971 की अमर मशाल बुझा दी

**ढाका, 30 जून (एजेंसियां) ।**

बांग्लादेशी सेना के लिए 1971 से क्रांति का प्रतीक रहे इटरनल फ्लेम यानि शिखा अनिरबाण जिसे अमर मशाल भी कहा जाता था, उसे बुझा दिया गया है। इससे सेना के कई निचले और ऊपर के अधिकारियों को बेचैन हो गए हैं। ये 1971 की लड़ाई में बांग्लादेशी सेना की तरफ से दिए गए बलिदान, शौर्य और जज्बे का प्रतीक था। ये 1971 से लगातार जलती आ रही थी।

शिखा अनिरबाण को इस हफ्ते सेना प्रमुख जनरल वकार-उज़-ज़मां के सऊदी अरब में हज यात्रा पर जाने से तीन हफ्ते से भी कम समय पहले बुझाया गया है। शिखा अनिरबाण ढाका छावनी में स्थित था और 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शहीद हुए वीर सैनिकों की याद में चौबीसों घंटे जलती रहती थी। लेकिन इसे 55 वर्षों के बाद बुझा दिया गया है। जैसे भारत में राजघाट है जहां दुनियाभर के मेहमान आते हैं और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हैं, उसी तरह से बांग्लादेश के लिए शिखा अनिरबाण भी था जहां देश के दौरे पर आए मेहमान श्रद्धांजलि अर्पित करते थे।

▶10 पर

### टेलिफोन पर पेजेश्कियान-मोदी

## होर्मुज से आजादी

**नयी दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से टेलीफोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों और आगे की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में बनी समझ का स्वागत किया और कहा कि भारत लगातार यह मानता रहा है कि सभी मुद्दों का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने समुद्री मार्गों पर आवागमन और व्यापार की स्वतंत्रता सुरक्षित बनाए रखने की अहमियत भी दोहराई। हालिया क्षेत्रीय संघर्ष के बावजूद ईरान के साथ भारत उच्चस्तरीय राजनीतिक संपर्क और बहुपक्षीय मंचों के जरिए लगातार करीबी कूटनीतिक संवाद बनाए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के

▶10 पर

# राजा बाइज़्ज़त बरी

## चार वर्ष पुराने मामले में कानूनी जीत

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह को वर्ष 2022 में दर्ज एक विवादित टिप्पणी मामले में बड़ी राहत मिली है।

हैदराबाद की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद उन्हें आरोपों से बरी कर दिया।

अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों एवं गवाहों के परीक्षण के उपरांत आरोपों को सिद्ध न मानते हुए यह निर्णय सुनाया।

**77 दिन जेल में, न्यायपालिका पर था भरोसा**

निर्णय के बाद जारी बयान में टी. राजा सिंह ने कहा कि वर्ष 2022 में पैगंबर मोहम्मद से संबंधित कथित टिप्पणी को लेकर उनके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन बीआरएस सरकार ने उन पर झूठे आरोप लगाते हुए पीडी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था, जिसके कारण उन्हें 77 दिनों तक जेल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में भी उन्हें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास था।

**चार वर्षों तक चली कानूनी प्रक्रिया**

टी. राजा सिंह ने बताया कि जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया और पिछले चार वर्षों तक यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में चलता रहा। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा कानून और संविधान के दायरे में रहकर अपना पक्ष रखा तथा न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान किया।

**सत्य, न्याय और कानून की जीत**

अदालती फैसले का स्वागत करते हुए विधायक ने कहा कि उनके ऊपर लगाए गए आरोप झूठे साबित हुए हैं और यह सत्य, न्याय तथा कानून की जीत है। उन्होंने अपने समर्थकों, अधिवक्ताओं एवं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने पूरे संघर्ष के दौरान उन पर विश्वास बनाए रखा। उन्होंने कहा कि वे न्यायपालिका का सम्मान करते हैं और आगे भी जनता की सेवा तथा संविधान के दायरे में रहकर कार्य करते रहेंगे।

# फेडरल रिजर्व गवर्नर को हटाने की राष्ट्रपति ट्रंप की कोशिश हुई नाकाम

**सुप्रीम कोर्ट से के झटके के बाद ट्रंप बोले- हम एक्शन लेंगे**

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक और बड़ा कानूनी झटका लगा है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फेडरल रिजर्व बोर्ड की गवर्नर लिसा कुक को उनके पद से हटाने के उनके प्रयास को 5-4 के बहुमत से खारिज कर दिया। यह 1913 में फेडरल रिजर्व की स्थापना के बाद पहला ऐसा मौका है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने केंद्रीय बैंक के किसी अधिकारी को हटाने की कोशिश की हो, और सर्वोच्च अदालत ने इसे असफल कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय पीठ ने ट्रंप प्रशासन के उस अनुरोध को ठुकरा दिया, जिसमें निचली अदालत के उस आदेश को हटाने की मांग की गई थी, जिसने फेड गवर्नर लिसा कुक को तत्काल बर्खास्त करने से रोका था। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में फेड की स्वतंत्रता पर बार-बार हमला बोला है और अपनी कार्यकारी शक्तियों की सीमाओं को परखा है। लिसा कुक फेडरल रिजर्व बोर्ड की सात सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं, जो अमेरिकी मौद्रिक नीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्हें 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा नियुक्त किया गया था और उनका कार्यकाल 2038 तक चलना है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बावजूद, डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिसा कुक के खिलाफ और कार्रवाई करने की धमकी दी है। उन्होंने लिखा कि हम तुरंत उचित कार्रवाई करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी अपराधी संयुक्त राज्य अमेरिका के कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले न ले सके। उन्होंने अदालत के फैसले को पूरी तरह प्रक्रियात्मक करार दिया। ट्रंप ने कुक पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे, जो अभी तक साबित नहीं हुए हैं। कुक, जो फेड की पहली अश्वेत महिला गवर्नर हैं, ने इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि ट्रंप उन्हें मौद्रिक नीति पर मतभेद के चलते हटाना चाहते हैं और इन आरोपों को बहाना बना रहे हैं। ट्रंप ने 25 अगस्त, 2025 को सोशल मीडिया पर बर्खास्तगी का पत्र पोस्ट कर कुक को हटाने का प्रयास किया था। इसके बाद, जिला न्यायाधीश जिया काब ने फैसला दिया था कि बिना नोटिस या सुनवाई के यह कदम उचित प्रक्रिया का उल्लंघन है। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि आरोप कुक के पद संभालने से पहले के हैं और फेडरल रिजर्व अधिनियम के तहत पर्याप्त कारण नहीं माने जा सकते। कोलंबिया सर्किट अपील अदालत ने भी इस फैसले का समर्थन किया था और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी ट्रंप सरकार की अपील खारिज कर दी है। फेडरल रिजर्व दुनिया का सबसे प्रभावशाली केंद्रीय बैंक है, जो अमेरिका सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था की ब्याज दरें तय करता है। ट्रंप की वापसी के बाद यह संस्था उनके निशाने पर रही है। फेड चेयरमैन जेरोम पावेल का आठ साल का कार्यकाल 15 मई को समाप्त हुआ था, और उनकी जगह ट्रंप द्वारा नामित केविन वार्श को 13 मई को सीनेट ने मंजूरी दी थी और उन्होंने 22 मई को शपथ ली थी।

## न्यूज ब्रीफ

### जर्मनी के स्टेड शहर में अंधाधुंध गोलीबारी, 5 लोगों की मौत, संदिग्ध हमलावर गिरफ्तार

**बर्लिन।** उत्तरी जर्मनी के स्टेड शहर में सोमवार को एक भीषण गोलीबारी की घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध पुरुष को हिरासत में ले लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। हालांकि, हमलावर ने इस दर्दनाक वारदात को क्यों अंजाम दिया, इसके पीछे का मकसद अभी तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना सेंट्रल स्टेड में स्थित एक यूथ सेंटर के भीतर हुई। हैम्बर्ग शहर के पश्चिम में स्थित लगभग 50,000 की आबादी वाले इस शांत और सामान्य रूप से सुरक्षित शहर में हुई इस अचानक गोलीबारी से हर कोई सकते में है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शुरुआती सूचना के आधार पर दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन फिलहाल एक मुख्य संदिग्ध पुलिस की गिरफ्त में है और उससे गहन पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार, यूथ सेंटर के पास गोलीबारी हुई और सुरक्षा बल वर्तमान में शहर के केंद्र से बाहर बड़े पैमाने पर अभियान चला रहे हैं। पुलिस ने एक पोस्ट में जनता से अनुरोध किया कि वे अपनी सुरक्षा के लिए इस क्षेत्र को छोड़ दें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। ल्यूनेबर्ग पुलिस हेडक्वार्टर ने भी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में जनता से उस इलाके से दूर रहने की अपील की। जांचकर्ताओं ने शुरुआत में हमले के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी। बड़ी संख्या में इमरजेंसी सर्विस की टीमें घटनास्थल पर मौजूद हैं, जिसमें पुलिस, एम्बुलेंस और अग्निशमन दल शामिल हैं।शुरुआती स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि इस हमले में एक से ज्यादा शूटर शामिल हो सकते हैं और कुछ अन्य संदिग्ध अभी भी फरार हो सकते हैं।

### जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची कल से भारत के तीन दिवसीय दौरे पर

**टोक्यो।** जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची एक जुलाई से भारत के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगी।

वह वहां अपने समकक्ष नरेन्द्र मोदी से मिलेंगी। जापान सरकार ने कहा कि इस दौरे का मकसद आर्थिक विकास के लिए सहयोग को आगे बढ़ाना है। जापान सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली में दोनों देश आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त घोषणापत्र जारी कर सकते हैं। इसमें आर्थिक दबाव के विरोध का जिक्र होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ जैसे अहम मिनरल, सूचना और संचार तकनीक, और स्वच्छ ऊर्जा व मेडिकल सामान जैसे पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति बनने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में पद संभालने के बाद प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के भारत दौरे की घोषणा करते हुए मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने कहा कि जापान का लक्ष्य आर्थिक सुरक्षा, निवेश और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करके भारत के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और बेहतर बनाना है। सरकार के शीर्ष प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जापान और भारत के लिए मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए संबंधों को मजबूत करना बहुत जरूरी है।

### सऊदी अरब में क्रैश हेलिकाप्टर दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का था

**रियाद।** सऊदी अरब के रास तनुरा में रविवार को दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का

हेलिकाप्टर क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकाप्टर सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। हेलिकाप्टर में सवार सभी लोग सऊदी के ही नागरिक थे। हालांकि, क्रैश की वजह की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मामले की जांच चल रही हैं। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है। यह सऊदी अरब सरकार के स्वामित्व में है। इसकी स्थापना 1933 में अमेरिकी कंपनियों के साथ समझौते के तहत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 1980 में यह पूरी तरह सऊदी सरकार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी का मुख्यालय धहरान में स्थित है। अरामको के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है और यह प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है, जिससे यह वैश्विक ऊर्जा बाजार की प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गई है। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था काफी हद तक इसी कंपनी की आय पर निर्भर करती है। अरामको केवल कच्चे तेल का उत्पादन ही नहीं करती, बल्कि रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल्स और प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में भी सक्रिय है।

# ईरान की दोटूक, कतर में अमेरिका के साथ कोई बातचीत तय नहीं, होर्मुज में हालात कुछ बेहतर हुए

तेहरान/वाशिंगटन

**ईरान ने कहा है कि कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका के साथ कोई बातचीत तय नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा उसके प्रतिनिधिमंडल के कतर दौरे का अमेरिकी अधिकारियों के साथ किसी भी बैठक से कोई लेना-देना नहीं है। ईरान का बड़ा बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे के उलट है। ट्रंप ने कहा कि कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल होर्मुज जलडमरूमध्य पर केंद्रित वार्ता में हिस्सा लेंगे। उधर, होर्मुज जलडमरूमध्य में पिछले 24 घंटे में हालात पहले से बेहतर हुए हैं। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी और अल जजीरा न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, आने वाले दिनों में हमारी अमेरिकी पक्ष के साथ किसी भी स्तर पर कोई बातचीत या बैठक तय नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधियों के कतर जाने का ईरानी प्रतिनिधिमंडल के दौरे से कोई लेना-देना नहीं है। बघाई ने जोर दिया कि बड़े समझौते पर बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है।**

बघाई ने कहा, एमओयू के मसौदे के मुताबिक, अंतिम समझौते के लिए बातचीत की शुरुआत 14 सूत्री सहमति पत्र के क्रम संख्या 1, 4, 5, 10, और 11 में उल्लिखित बातों के लागू होने पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि इसमें यह भी कहा गया है कि अमेरिका को ईरान के फ्रीज किए गए या रोके गए फंड और एसेट्स को आपसी सहमति से तय प्रक्रिया के तहत इस्तेमाल के लिए पूरी तरह से उपलब्ध कराना होगा।

इस बीच, व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकाफ और ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर मंगलवार को ईरान के साथ बातचीत के लिए दोहा जाएंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने फाक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में इसकी पुष्टि की और कहा कि यह बैठक ईरान के अनुरोध पर हो रही है। लेविट ने कहा कि ट्रंप शांति प्रक्रिया को जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान से वाशिंगटन के साथ समझौते पर पहुंचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में दुश्मनी खत्म करने के लिए 14 सूत्री एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद तकनीकी बातचीत जारी है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ईरान ने बैठक का आग्रह किया है। यह कल दोहा में होगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सियोस सबसे पहले दोहा में होने वाली बैठक का खुलासा कर चुकी है।

हालांकि इसके बाद ईरान के सरकारी ब्राडकास्टर इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्राडकास्टिंग ने ईरान के कानून और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेशमंत्री काज़ृम गरीबाबादी के हवाले से कहा कि इस हफ्ते कोई टेक्निकल वर्किंग ग्रुप की मीटिंग तय नहीं है। उन्होंने कहा कि कतर के साथ बातचीत हमेशा की तरह जारी है। सनद रहे तेहरान और वाशिंगटन के बीच वार्ता में कतर मुख्य मध्यस्थ है।

अमेरिका और ईरान के अलग-अलग बयानों से मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में तनाव बना हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली बातचीत को लेकर मिले-जुले संकेतों ने मिडिल ईस्ट की कूटनीति में नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारी इस हफ्ते कतर में मिलेंगे, लेकिन तेहरान ने इससे इनकार किया कि ऐसी कोई बैठक तय नहीं है।

ईरान के विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के उलट है जिसमें कहा गया कि बातचीत मंगलवार से शुरू होगी। इन अलग-अलग बयानों ने कूटनीतिक कोशिशों की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि होर्मुज जलडमरूमध्य में 24 घंटे में स्थिति पहले से बेहतर हुई है। मरीन ट्रैफिक डेटा के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान 25 कमर्शियल जहाज जलडमरूमध्य से गुजरे। फारस की खाड़ी से बाहर जाने वाले जहाजों में छह आयल टैंकर और आठ कार्गो जहाज शामिल हैं, जबकि पांच टैंकर और छह कार्गो जहाज खाड़ी में दाखिल हुए।

# काठमांडू में ट्रैफिक संभालने के लिए रोबोट का प्रयोग शुरू

काठमांडू

**नेपाल की राजधानी काठमांडू में बढ़ती ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए अब रोबोट का प्रयोग किया जा रहा है। तकनीक-आधारित पहल के तहत ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक को संभालने से लेकर जागरूकता कक्षाएं संचालित करने के लिए रोबोट का परीक्षण शुरू किया है। प्रारंभिक चरण में रोबोट को उन चौक चौराहों पर प्रयोग में लाया गया है जहां सबसे अधिक ट्रैफिक जाम लगता है। राजधानी के सबसे व्यस्त चौक चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की संख्या को कटौती कर रोबोट को रखा गया है।**

इसके अलावा चालकों के लिए जागरूकता सत्र संचालित करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिन्हें विभिन्न ट्रैफिक नियम उल्लंघन के कारण दंडित किया गया है।

ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के अलावा जिन चालकों ने लेन उल्लंघन, रेड लाइट जंप, शराब पीकर वाहन चलाने, नशीले पदार्थ के प्रभाव में ड्राइविंग, तेज गति से वाहन चलाया हो उन्हें सजा के तौर पर जो ट्रेनिंग दी जाती है वह काम भी रोबोट के द्वारा किया जा रहा है।

काठमांडू ट्रैफिक के एसएसपी सुरेश काफ्ले ने बताया कि रोबोट को फिलहाल प्रशिक्षण दिया जा रहा है और उसे विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं, ताकि भविष्य में वह पूरी तरह स्वतंत्र रूप से जागरूकता कक्षाएं संचालित कर सके।

ट्रैफिक पुलिस प्रतिदिन लगभग 600 ट्रैफिक नियम उल्लंघन करने वालों को जागरूकता कक्षाएं प्रदान करती है। इसके अलावा, सड़क गलत तरीके से पार करने वाले पैदल यात्रियों को शिक्षित करने के लिए भी रोबोट के उपयोग की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। एसएसपी काफ्ले ने कहा कि पूरी तरह प्रशिक्षित होने के बाद यह रोबोट ट्रैफिक पुलिस की वर्दी पहनकर एक वर्चुअल ट्रैफिक अधिकारी के रूप में कार्य करेगा।

### पाकिस्तान के रावलपिंडी में जेल वैन से 14 कैदी भागे

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के रावलपिंडी में 14 कैदी जेल वैन से भाग गए। पुलिस का कहना है कि सुरक्षाकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर फेंककर भागे इन कैदियों की तलाश की जा रही है। अभी तक इसमें पूरी तरह सफलता नहीं मिल पाई है। भागे हुए कैदियों में से चार को पकड़ लिया गया है। यह घटना रावलपिंडी के कहूटा क्षेत्र में हुई है। जियो न्यूज और दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी पुलिस के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि कहूटा में जेल वैन से 14 कैदियों के भागने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान चार कैदियों को दबोच लिया गया। प्रवक्ता के अनुसार, संबंधित अधिकारियों से घटना के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि बाकी 10 कैदियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें काम कर रही हैं। प्रवक्ता ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि घटना से पहले वैन के अंदर कैदियों के बीच जबरदस्त लड़ाई हुई। अदालत में पेशी के बाद कैदियों को अदियाला जेल ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई। उन्होंने बताया कि वैन को चेकिंग के लिए रोका गया। इस दौरान एक कैदी ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर फेंक दिया। सनद रहे, पिछले साल कराची की मालिर जेल से भूकंप के कारण लोगों को बाहर निकालते समय 200 से ज्यादा कैदी भाग गए थे। इस घटना में कम से कम एक कैदी की मौत हो गई थी और कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे।

# डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से की मुलाकात

## मध्य एशिया में रियल एस्टेट और लक्जरी प्रोजेक्ट्स पर हुई चर्चा

हैदराबाद । तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्य दूत और एमएके प्रोजेक्ट्स के प्रमोटर व प्रबंध निदेशक, महामहिम डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान ने भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत और दक्षिण व मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर से हैदराबाद में मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह के दौरान हुई। बैठक में मध्य एशिया, विशेष रूप से कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान में रियल एस्टेट निवेश और विकास के अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त ब्रांडों जैसे ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ क्लब, ट्रम्प टॉवर और जैकब एंड कंपनी के सहयोग से लैंडमार्क

लक्जरी गोल्फ कम्युनिटीज, ब्रांडेड रेजिडेंस और मिक्स्ड-यूज लाइफस्टाइल प्रोजेक्ट्स विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

भारत में प्रीमियम आवासीय कम्युनिटीज विकसित करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, डॉ. खान ने मध्य एशियाई क्षेत्र में वैश्विक स्तर के प्रोजेक्ट्स बनाने का अपना विजन प्रस्तुत किया, जो अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने और पर्यटन व आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

इसके साथ ही, उन्होंने राजदूत सर्जियो गोर को हैदराबाद में एमएके प्रोजेक्ट्स के फ्लैगशिप लक्जरी विला प्रोजेक्ट बीटीआर ग्रीन्स के बारे में भी जानकारी दी, जो टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली के लिए जाना जाता है। राजदूत सर्जियो गोर ने इस प्रोजेक्ट में गहरी रुचि दिखाई और डॉ. खान की अगली हैदराबाद यात्रा के दौरान बीटीआर ग्रीन्स का दौरा करने के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया।

दोनों देशों और क्षेत्रों के बीच इन प्रस्तावित निवेश अवसरों और रणनीतिक सहयोग पर आगे की चर्चा के लिए डॉ. खान जल्द ही नई दिल्ली में राजदूत सर्जियो गोर से दोबारा मुलाकात करेंगे।

# वेनेजुएला में भूकंप से हर तरफ तबाही, हताहतों की संख्या 1,719 पहुंची, हजारों लोग अब भी लापता

कराकास (वेनेजुएला)

दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के उत्तरी छोर पर स्थित वेनेजुएला में पांच दिन पहले आए दो भूकंपों से भारी विनाश हुआ है। मृतकों की संख्या बढ़कर 1,719 हो गई है। 5,034 लोग घायल हैं और हजारों लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। आफ्टरशाक और क्षतिग्रस्त इमारतों के कारण अभियान में मुश्किलें आ रही हैं।

नेशनल असेंबली अध्यक्ष जार्ज रोड्रिगेज ने सोमवार को बताया कि अब तक कम से कम 1,719 लोगों की मौत हो चुकी है। 5,034 लोग घायल हुए हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। सनद रहे 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप बुधवार शाम आए थे। इनके झटके पड़ोसी देश कोलंबिया में भी महसूस किए गए। इन्हें पिछले एक सदी में वेनेजुएला में आए सबसे विनाशकारी भूकंप माना जा रहा है।

रोड्रिग्ज ने बताया कि अमेरिकी जियोलाजिकल सर्वे का कहना है कि इस बात की 44 प्रतिशत संभावना है कि मरने वालों की कुल संख्या 10,000 या उससे ज्यादा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन झटकों से कम से कम 22,619 लोग प्रभावित हुए हैं। कम से कम 855 इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जिनमें से 189 पूरी तरह ढह गईं। उन्होंने कहा कि बुधवार को भूकंप आने के बाद से 609 आफ्टरशाक (भूकंप के बाद के झटके) आए हैं।राहत कार्यों में मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता समूह वेनेजुएला पहुंच गए हैं। इस आपदा के बाद कई बेघर हुए लोगों के पास रहने के लिए कोई जगह नहीं है। सबसे ज्यादा तबाही ला गुएरा राज्य, राजधानी काराकास और आसपास के इलाकों में हुई है। इजराइल की आपदा राहत टीम मंगलवार को वेनेजुएला के लिए रवाना होगी। यह घोषणा इजराइल के विदेश मंत्रालय ने की। इस टीम में मंत्रालय के सदस्यों के साथ-साथ इजराइल के होम फ्रंट कमांड के बचावकर्मी भी शामिल होंगे। बाद में नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट अथारिटी के विशेषज्ञ भी इसमें शामिल होंगे। वेनेजुएला के लिए यह सहायता इजराइल के लिए अहम है, क्योंकि दोनों देशों के बीच कई सालों से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं।

काराकास में अधिकारी बुनियादी ढांचों को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए ट्रैफिक लाइट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। काराकास में मौजूद चाकाओ मेयर आफिस ने भूकंप से हुए नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है। यह काम खासकर लास पालोस ग्रांडेस इलाके में किया जा रहा है। इसके लिए वे ट्रैफिक लाइट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिन इमारतों पर हरा निशान है, वे रहने लायक हैं। पीला निशान मध्यम नुकसान को दर्शाता है और लाल निशान इसका प्रतीक है कि इमारत में अंदर जाना सुरक्षित नहीं है। वेनेजुएला में नुकसान हर जगह दिख रहा है। इमारतों के बाहरी हिस्सों में दरारों से लेकर सड़कों पर पड़ी बड़ी-बड़ी दरारों तक। जरूरी जांच-पड़ताल होने तक कुछ इलाके और इमारतें आम लोगों के लिए बंद रखी गई हैं।वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि विशेषज्ञ ला गुएरा, मिरांडा और काराकास में यह पता लगाने के लिए मौजूद हैं कि क्या घर रहने लायक हैं।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक़्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहें। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन-देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

## आज का पंचांग

दिनांक : 01 जुलाई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 07:40 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 06:52 तक
योग : ऐन्द्र सायं 04:03 तक
करण : कौलव प्रातः 07:40 तक
चन्द्रराशि : धनु दोपहर 01:32 तक
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:54 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:49 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:38 ,सूर्यास्त 06:44 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महागणपति पूजनम्

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

### जीएसएल और किम्यो यूनिवर्सिटी ने

# भारत के विदेशी चिकित्सा-शिक्षा संकट के समाधान के लिए लॉन्च किया इंटीग्रेटेड एमबीबीएस प्रोग्राम

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के कड़े नियमों और विदेशों में पढ़ रहे भारतीय मेडिकल छात्रों के सामने आने वाले संकट को देखते हुए, जीएसएल ग्रुप, ताशकंद स्थित किम्यो इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (केआईयूटी) और नियो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (नियो) ने आज एक नए मइंटीग्रेटेड एमबीबीएस प्रोग्रामफकी घोषणा की है। यह भारत-उज्बेकिस्तान का एक अनूठा शैक्षणिक मॉडल है, जो अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता और नियमों में सुधार करेगा।

सीटों की कमी और भारी खर्च: भारत में हर साल 20 लाख से अधिक छात्र नीट परीक्षा देते हैं, जबकि सीटें केवल 1 लाख के करीब हैं। निजी कॉलेजों में पढ़ाई का खर्च 70 लाख से 1.5 करोड़ तक पहुंच जाता है, जिससे छात्र विदेशों का रुख करते हैं।

एफ़एमजीई का गिरता स्तर: विदेशों से पढ़कर लौटने वाले 4 में से 1 छात्र भी अनिवार्य एफएमजीई परीक्षा पास नहीं कर पाता (जून 2025 में पास प्रतिशत 18.61% और दिसंबर 2025 में 23.37% था)।

1 अप्रैल 2026 को जारी एक चेतावनी नोट में, एनएमसी ने कई विदेशी संस्थानों में क्लिनिकल ट्रेनिंग की कमी और अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई न होने पर चिंता जताई थी।

दिसंबर 2025 के परिणामों के अनुसार, उज्बेकिस्तान 40.37% एफएमजीई पासिंग रेट के साथ वैश्विक स्तर पर चौथे और भारतीय छात्रों के लिए शीर्ष गंतव्य के रूप में उभरा है।

इस 6 वर्षीय कार्यक्रम के तहत छात्रों को डिग्री तो केआईयूटी (उज्बेकिस्तान) द्वारा दी जाएगी, लेकिन उन्हें पूरे कोर्स के दौरान भारतीय मेडिकल इकोसिस्टम का मजबूत शैक्षणिक सहयोग मिलेगा।

जीएसएल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. गन्नी भास्कर राव और नियो की डायरेक्टर डॉ. बी. दिव्या सुनीता राज ने कहा कि यह साझेदारी केवल छात्रों की भर्ती के लिए नहीं, बल्कि उन्हें भारतीय मानकों के अनुरूप क्लिनिकल गहराई और जवाबदेही देने के लिए की गई है। वहीं,केआईयूटी के रेक्टर प्रो. अकमल अल्लाकुलिएव ने कहा कि यह ऐतिहासिक सहयोग छात्रों की योग्यता और लाइसेंसिंग सफलता को प्राथमिकता देता है।

यह साझेदारी अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नियामक अनुपालन और शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक नया बेंचमार्क स्थापित करने की ओर पहला कदम है।

# केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नदान, सेवा और समर्पण की मिसाल

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क परिसर में मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद, मरीजों के परिजनों, श्रमिकों एवं राहगीरों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च दानों में से एक है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ी मानव सेवा है और यही सच्चे समाज निर्माण का आधार भी है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद विगत लंबे समय से निरंतर अन्नदान, गौसेवा और जनसेवा के माध्यम से मानवता की सेवा का संदेश दे रहा है।

उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ बिना किसी स्वार्थ के जरूरतमंद लोगों के जीवन में आशा और मुस्कान लाना है। ग्रुप के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर अन्नदान कर समाज में परोपकार, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को सशक्त बना रहे हैं। यह सेवा अभियान अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है और निरंतर नए सेवाभावी लोग इससे जुड़ रहे हैं।अन्नदान कार्यक्रम के दौरान सभी स्वयंसेवकों ने अनुशासित एवं समर्पित भाव से सेवा करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। लाभार्थियों ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। अंत में सभी सदस्यों ने समाज के सक्षम लोगों से सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया तथा भविष्य में भी नियमित रूप से अन्नदान और जनसेवा के ऐसे अभियान जारी रखने का संकल्प लिया।

# व्यापारियों की सुरक्षा व यातायात पर मंथन पुलिस के साथ रात्रि गश्त को व्यापारी तैयार

**बेंगलुरु, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** दि बैंगलोर होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन द्वारा चिकपेट जैन स्थानक में व्यापारियों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं यातायात समस्याओं को लेकर आयोजित विशेष बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया।

अध्यक्षता करते हुए एसोसिएशन अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन के सुझावों का पालन और आपसी सहयोग से ही चोरी जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है।

लॉ एंड ऑर्डर इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने व्यापारियों को सुझाव दिया कि शहर से बाहर जाने पर यात्रा की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा न करें। कर्मचारी रखने से पहले पुलिस सत्यापन, आधार कार्ड, स्थायी पता व परिजनों के नंबर सुरक्षित रखें। प्रत्येक दुकान व गलियों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है। उन्होंने व्यापारियों से सप्ताह में एक दिन पुलिस के साथ रात्रि गश्त में शामिल होने का आह्वान किया, जिस पर गिरीश माकम, नरेश मुथा एवं मनोज कुमार ने सहमति दी। अध्यक्ष पिरगल ने ट्रैफिक समस्या उठाते हुए सुझाव दिया कि प्रत्येक व्यापारिक गली में वन-साइड पार्किंग अनिवार्य की जाए। मामूलपेट, चिकपेट, आर.टी. स्ट्रीट, किल्लारी रोड व हॉस्पिटल रोड में वन-वे मार्गों पर नो-एंट्री नियमों का सख्ती से पालन हो। उन्होंने चिकपेट सर्कल व एवेन्यू रोड सर्कल पर ऑटो चालकों द्वारा यात्रियों को बैठाने से मना करने की समस्या पर भी कार्रवाई की मांग की।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर नागप्पा ने सभी सुझावों पर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक का संचालन सचिव योगेश सेठ ने किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष नरेश मुथा, सचिव योगेश सेठ व सह सचिव मनोज कुमार ने दोनों इंस्पेक्टरों का सम्मान किया। अंत में सह सचिव मनोज कुमार ने आभार व्यक्त किया। चिकपेट जैन स्थानक ट्रस्ट को स्थान उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया गया। सभी व्यापारियों ने पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षित, व्यवस्थित एवं अपराध-मुक्त व्यापारिक क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया।

# सुदर्शना नगर ने जीती जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिता फाइनल में पवनपुरी को 7 विकेट से हराया

**बीकानेर, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** शहीद भगत सिंह पार्क विकास समिति की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित सुदर्शना नगर जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को घड़सीसर स्थित मद सुपर पावर प्ले टर्फ बॉक्सफ में खेला गया। फाइनल में सुदर्शना नगर की टीम ने पवनपुरी को 7 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

समिति के संयुक्त सचिव मनीष भोजक ने बताया कि पवनपुरी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 60 रन बनाए। कार्तिक विजयवर्गीय ने 24 और लक्षित सेवग ने 18 रन का योगदान दिया। सुदर्शना नगर के भावेश और अंशु ने 2-2 विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुदर्शना नगर के कप्तान भावेश देवड़ा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। टीम ने 6 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 61 रन बनाकर मैच जीत लिया। भावेश ममैन ऑफ द मैचफ रहे।

मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव शंकर सेवग, क्रिकेट कोच रिजवान खान, पंकज जागिड़, तरुण भोजक ने खिलाड़ियों को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। शंकर सेवग ने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को मंच देने का प्रयास किया जा रहा है। अंपायरिंग ऋतुराज शर्मा और स्कोरिंग हार्दिक ने की। आभार हेमंत सेवग ने व्यक्त किया।

## माचिस की डिब्बी में समा गया रेशमी शॉल, कोंडागट्टू अंजनेय को भेंट

**राजन्ना सिरसिला, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** राजन्ना सिरसिला जिले के प्रसिद्ध हथकरघा कलाकार वेल्डी हरिप्रसाद ने एक बार फिर अपनी अनूठी कारीगरी से सबको चकित कर दिया। उन्होंने कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में एक ऐसा रेशमी शॉल भेंट किया जो माचिस की डिब्बी में आसानी से समा जाता है।बेहद महीन धागों से बुना गया यह शॉल उनकी बेजोड़ कलात्मक दक्षता का प्रमाण है। सोमवार को कोंडागट्टू मंदिर पहुंचे हरिप्रसाद ने स्वामी के दर्शन और विशेष पूजा-अर्चना के बाद यह अनोखा शॉल मंदिर अधिकारियों को सौंपा। इस अवसर पर हरिप्रसाद ने कहा, श्री अंजनेयस्वामी के आशीर्वाद से ही यह उत्कृष्ट कृति तैयार हो पाई। इसे स्वामी को समर्पित कर मैं धन्य महसूस कर रहा हूँ।

## मंचेरियल में भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने, श्मशान स्थल पर गरमाई सियासत

**मंचेरियल, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** मंचेरियल नगर परिषद में पिछले दो दिनों से भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तकरार चरम पर है। सोमवार को भाजपा के तीनों पार्षदों ने नगर परिषद की साधारण सभा का बहिष्कार कर परिषद कार्यालय के सामने धरना दिया। उन्होंने महापौर और आयुक्त पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए तथा विकास कार्यों का ब्यौरा मांगा। भाजपा नेताओं का आरोप था कि हाल ही में बना श्मशान घाट ममहा प्रस्थानमफ भी केंद्र सरकार की निधि से बनाया गया है।

इन आरोपों पर मंगलवार को महापौर धरनी मधुकर ने कांग्रेस के सभी पार्षदों और वरिष्ठ नेताओं के साथ श्मशान स्थल महा प्रस्थानम में ही प्रेस वार्ता कर जवाब दिया। महापौर ने भाजपा के सभी आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया।महापौर ने कहा, हमने भाजपा पार्षदों को न तो निलंबित किया और न ही बाहर जाने को कहा। वे विकास कार्यों का हिसाब मांग रहे थे, जबकि उस समय अन्य पार्षद अपनी समस्याएं रख रहे थे। भाजपा पार्षद चर्चा में बाधा डाल रहे थे। चुप रहने को कहने पर वे खुद ही सभा छोड़कर चले गए।

## कल्कि टैंक का किनारा घटिया निर्माण का नतीजा: भाजपा

**बांसवाड़ा, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** भाजपा जिला महामंत्री पोतुला बोगुड़ा श्रीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया कि बांसवाड़ा शहर स्थित कल्कि टैंक का किनारा पिछली सरकार के समय हुए घटिया निर्माण कार्य का परिणाम है। मंगलवार को उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ चेरुवु थुमू स्थित किनारे का निरीक्षण किया।श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकार ने तालाब के जीर्णोद्धार और किनारे के आधुनिकीकरण के नाम पर करीब 6 करोड़ रुपये खर्च किए, फिर भी घटिया गुणवत्ता के कारण किनारा क्षतिग्रस्त हो गया और पहले भी धंस चुका था। वर्तमान में 27 लाख रुपये की लागत से चल रहे मरम्मत कार्य को लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम की गुणवत्ता पर लगातार निगरानी रखें और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए ताकि किसानों को सिंचाई के पानी में कोई परेशानी न हो। इस दौरान नगर अध्यक्ष कोनाला गंगा रेड्डी, भाजपा नगर महामंत्री उमेश, पूर्व विधानसभा संयोजक गुडुगुटला श्रीनिवास, जिला सचिव थुप्पि शिवप्रसाद, नेता चीकटला राजू, मुत्याला साईं बाबा, कोंडानी गंगाराम, शंकर महेंद्र प्रदीप साईं रेड्डी समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## बांसवाड़ा में आरटीसी कार्गो सेवा बहाल करने की मांग, भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

**बांसवाड़ा, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)**

भाजपा नगर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने मंगलवार को आरटीसी डिपो प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर बांसवाड़ा नगर और आसपास के क्षेत्रों के लिए आरटीसी कार्गो सेवा फिर से शुरू करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि पहले बांसवाड़ा में स्थापित आरटीसी कार्गो सेंटर से लोगों को काफी सुविधा मिलती थी, लेकिन सेवा बंद होने के बाद पार्सल भेजने और मंगाने में परेशानी हो रही है। इसीलिए डिपो प्रबंधक रवि कुमार से कार्गो सेंटर दोबारा शुरू करने का आग्रह किया गया। गंगारेड्डी ने अधिकारियों से अपील की कि लोगों को बेहतर परिवहन और कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व विधानसभा संयोजक गुडुगुटला श्रीनिवास, भाजपा नगर महामंत्री उमेश, भाजपा जिला परिषद सदस्य प्रसाद, चीकटला राजू, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष साई बाबा, भाजपा नेता महेंद्र कोंडानी, गंगाराम शंकर, प्रदीप समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को बांटी गईं स्कूल यूनिफॉर्म

**मदनूर, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** स्थानीय तहसीलदार एम.डी. मुजीब ने सोमवार को मदनूर मंडल स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास विद्यालय की छात्राओं को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की।मंडल एपीएम जगदीश कुमार ने बताया कि विद्यालय की 245 छात्राओं के लिए यूनिफॉर्म के 2-2 सेट प्राप्त हो चुके हैं। महिला दर्जियों द्वारा सिलाई का कार्य किया जा रहा है। फिलहाल प्रत्येक छात्रा को एक सेट यूनिफॉर्म दी गई है। शेष सेट एक सप्ताह के भीतर वितरित कर दिए जाएंगे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सत्यशिला, शिक्षिका संगीता, मदनूर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष दरासवार सायलू, सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटिल, पूर्व हनुमान मंदिर अध्यक्ष राम पाटिल, संतोष मिस्त्री, ईरना सहित कई नेता और वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

# देवों के पितामह ब्रह्मदेव

पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अंतर्रात्मा बताए गए हैं...

**त्रिदेवों** में ब्रह्मा प्रमुख देवता हैं। इन्हें सृष्टि का रचयिता कहा जाता है। पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के चार मुख हैं। इस कारण ब्रह्मा जी चतुर्मुख नाम से भी प्रसिद्ध हैं। इनका निवास स्थान ब्रह्मालोक है। ब्रह्मा जी वैदिक प्रजापति के रूप का विकास हैं। प्रजापति की समस्त वैदिक गाथाएं ब्रह्मा जी पर आरोपित कर ली गई हैं। प्रजापति और उनकी दोहिता की कथा पुराणों में ब्रह्मा और सरस्वती के रूप में वर्णित हुई है। धर्म ग्रंथों के अनुसार क्षीरसागर में शेषशायी विष्णु के नाभि कमल से ब्रह्मा की उत्पत्ति हुई। इसलिए वह स्वयंभू कहलाते हैं। प्रकट होने के पश्चात ब्रह्मा ने घोर तपस्या करके ब्रह्माण्ड की सृष्टि की। वास्तव में सृष्टि ही ब्रह्मा का प्रमुख कार्य है। सावित्री इनकी पत्नी और सरस्वती पुत्री हैं। इनका वाहन हंस है। ब्रह्मा पुराणों में ब्रह्मा का स्वरूप विष्णु के सदृश ही निरूपित किया गया है। वह ज्ञान-स्वरूप, परमेश्वर, अज, महान, तथा सम्पूर्ण प्राणियों के जन्मदाता और अन्तर्रात्मा बताए गए हैं। कार्य, कारण और चल-अचल सभी इनके अन्तर्गत हैं। समस्त कला और विद्या इन्होंने ही प्रकट कीं। ये त्रिगुणात्मक माया से अतीत ब्रह्मा हैं। यह हिरण्यगर्भ हैं और सारा ब्रह्माण्ड इन्हीं से निकला है। यद्यपि ब्राह्म पुराणों में त्रिदेवों के अन्तर्गत ये अग्रगण्य और प्रथम बने रहे, किन्तु धार्मिक संप्रदायों की दृष्टि से इनका कोई अलग संप्रदाय नहीं बन पाया। वृद्ध पिता की भांति इनका देव परिवार में स्थान उपेक्षित होता गया। जबकि ब्रह्मा सपूर्ण चराचर जगत के प्रकटकर्ता हैं।

**ब्रह्मा की उत्पत्ति :** महाप्रलय के बाद भगवान नारायण दीर्घ काल तक योगनिद्रा में मग्न रहे। योगनिद्रा से जगने के पश्चात उनकी नाभि से एक दिव्य कमल प्रकट हुआ, जिसकी कार्णिकाओं पर स्वयंभू ब्रह्मा प्रकट हुए। उन्होंने अपने नेत्रों को चारों ओर घुमाकर शून्य में देखा। इस चेष्टा से चारों दिशाओं में इनके चार मुख प्रकट हुए। जब चारों ओर देखने पर भी उन्हें कुछ दिखाई नहीं पड़ा तो उन्होंने विचार किया, इस कमल पुष्प पर बैठा हुआ मैं कौन हूं? मैं कहां से आया हूं तथा यह कमल कहां से निकला है। तब ब्रह्मा जी ने दीर्घ काल तक तपस्या की। उन्हें शेषशैय्या पर बैठे विष्णु भगवान के दर्शन हुए। अपने एवं विश्व के कारण परम पुरूष का दर्शन करके उन्हें प्रसन्नता हुई और उन्होंने विष्णु भगवान की स्तुति अनेक प्रकार से की। भगवान विष्णु ने ब्रह्मा से कहा कि अब आप तप शक्ति से सपन्न हो गए हैं और आपको मेरा अनुग्रह भी प्राप्त हो गया है। अत: आप सृष्टि को उत्पन्न करने का कार्य आरभ करें।

तब भगवान विष्णु की प्रेरणा से ब्रह्मा जी ने अपने कमडंल से जल लेकर अभिमंत्रित करके उसे सभी दिशाओं में छिड़क दिया तथा सृष्टि की उत्पत्ति करने लगे। विष्णु भगवान की प्रेरणा से सरस्वती देवी ने ब्रह्म जी को सपूर्ण वेदों का ज्ञान कराया। ब्रह्मा जी मानसिक संकल्प से प्रजापतियों को उत्पन्न कर उनके द्वारा सपूर्ण प्रजा की सृष्टि करते हैं। इसलिए वह प्रजापतियों के भी पिता कहे गए हैं। समस्त प्रजापतियों की उत्पत्ति ब्रह्मा जी से ही हुई है। दस मुख्य प्रजापति : मरीचि, अत्रि, अंगिरा, पुलस्त्य, पुलह, क्रतु, मृगु, वशिष्ठ, दक्ष और कर्दम ये दस मुख्य प्रजापति हैं। सभी ब्रह्मा जी के मानस पुत्र हैं। इन्हें उत्पन्न करने के पश्चात ब्रह्मा जी ने इन्हें सृष्टि के विकास कार्य को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी। भगवत पुराणों के अनुसार भगवान रूद्र भी ब्रह्माजी के ललाट से उत्पन्न हुए। मानव सृष्टि के मूल महाराज मनु ब्रह्मा जी के दक्षिण भाग से उत्पन्न हुए और वाम भाग से मनु की पत्नी की उत्पत्ति हुई। स्वायंभु मनु और उनकी पत्नी से ही मैथुनी सृष्टि प्रारम्भ हुई। सभी देवता ब्रह्मा जी के पौत्र माने गए हैं। अत: वह पितामह के रूप में जाने जाते हैं। वैसे ब्रह्मा देवता, दानव, तथा सभी जीवों के पितामह हैं। फिर भी वह विशेष रूप से धर्म के पक्षपाती हैं। जब देवासुर संग्रामों में पराजित देवता ब्रह्मा जी के पास आते हैं, वह धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु को अवतार लेने के लिए प्रेरित करते हैं। अत: भगवान विष्णु के 24 अवतारों में यह ही निमित्त बनते हैं। शैव तथा शाक्त आगमों की भांति ब्रह्मा जी की उपासना का भी एक वशिष्ट सप्रदाय है, जो वैखानस संप्रदाय के नाम से जाना जाता है। परन्तु ये संप्रदाय अन्य संप्रदायों की अपेक्षा सीमित ही रहा। जबकि वैखानस संप्रदाय की सभी संप्रदायों में मान्यता आवश्य है। पुरूणादि सभी शास्त्रों के यह ही आदि वक्ता माने जाते हैं। ब्रह्मा जी की प्राय अर्मूत उपासना ही होती है। सर्वतोमद, लिंगतोभद्र आदि चक्रों में उनकी पूजा अमूर्त रूप से होती है। मूर्तरूप में इनकी पूजा केवल पुष्कर तथा ब्रह्मावर्त क्षेत्र (बिठुर) में ही होती है, जहां सत्युग के समय का पीपल आज भी हरा भरा है। शास्त्रों में वर्णित है कि यहां ब्रह्मा जी ने तपस्या की थी।

**दानवों के उपास्य :** माध्य सप्रदाय के आदि आचार्य भगवान ब्रह्मा जी माने जाते हैं। इसलिए आदि मुय मध्यपीठों में इनकी पूजा-आराधना की विशेष परंपरा है। देवताओं तथा असुरों की तपस्या में प्राय: सबसे अधिक वरदान आदि काल में ब्रह्मा ने ही दिए हैं।

# 'ॐ नम: शिवाय' से मिलती है ऊर्जा

ओम त्रयंबकम यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम
उर्वारूकमेव बंधनात मृत्योमोक्षिमार्मतात...
नार्गद्रहराय, त्रलोचनाय, भस्मंगारागाय महेश्वराय...

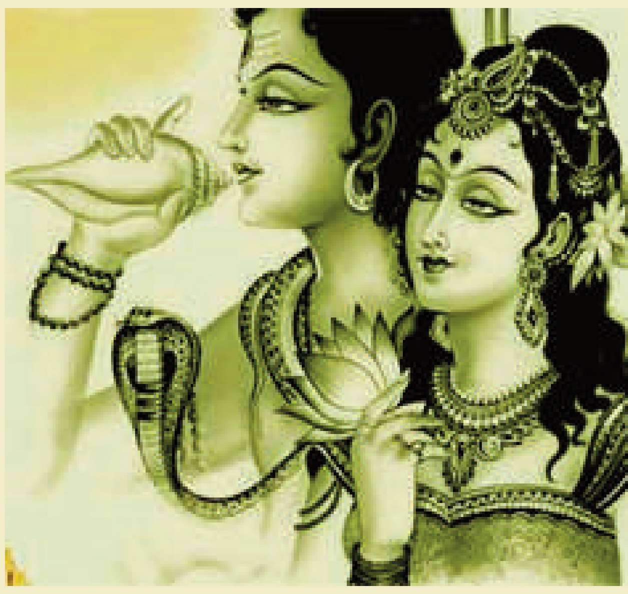

**इन** स्त्रोतों से श्रावण माह गुंजायमान है। भगवान सदाशिव की कृपा का पात्र बनने के लिए बुजुर्गों के साथ-साथ युवा वर्ग भी इन दिनों शिव आराधना में लीन है। भगवान शिव का अभिषेक करने के साथ ही व्रत रखने का चलन भी युवाओं में काफी जोरों पर हैं। कई युवा तो ऐसे भी हैं जो पूरे महीने भर के श्रावण का व्रत करने को लेकर काफी उत्सुक है और वे इस धर्म का पालन भी बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं।

शिव मंदिरों में भगवान को जल अर्पण करने के लिए श्रद्धालु महिला, पुरुष व युवाओं और बच्चों की लंबी कतारें लगी रहती है। भूतभावन भोले के अभिषेक में खास तौर पर श्रद्धालु पंचगव्य, धतूरा, कनेर, बिल्वपत्र, शमीपत्र, आक के फूलों को अर्पित कर शिव आराधना में लीन है।

**जीवन को सद्गति देते हैं शिव**

-विनोद केशरवानी कहते हैं कि वेदों में उल्लेख किया गया है कि इस सृष्टि में शिव के समान दूसरा कोई दाता नहीं है। मैं हर बार श्रावण में भगवान के दर्शन करने जाता हूं। मुझे लगता है यही एक रास्ता है अपने जीवन को सद्गति देने का।

**मन को मिलती है शांति**

-बलराम यादव कहते हैं मेरा खुद का व्यवसाय है। आज जो कुछ भी मेरे पास है सब भोलेनाथ ही कृपा है। इसीलिए में व्रत रखता हूं और श्रावण में दर्शन जरूर आता हूं। शिव मंदिर में आकर मन को शांति मिलती है।

ॐ नम: शिवाय कहने से ऊर्जा का संचार

-वीरेन्द्र चौधरी के अनुसार मैं प्राइवेट जॉब करता हूं और मुझे लगता है कि शिव आराधना से बढ़कर कोई और रास्ता नहीं शांति पाने का। सिर्फ ॐ नम: शिवाय कहने भर से ऊर्जा का संचार हो जाता है। इसीलिए मैं पूरे श्रावण के महीने में शिव के दर्शन करने मंदिर जरूर जाता हूं।

मैं श्रावण सोमवार का व्रत सालों से करता आ रहा हूं, शिवशंकर ने मेरी सभी मनोकामनाएं पूरी की हैं।

युवाओं ने भी उत्साह के साथ महादेव की आराधना की और इस बात को सिद्ध कर दिया कि युवा मनों में भी आस्था की लौ जगमगा रही है।

# शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

**भविष्यपुराण** में ऐसा उल्लेख है कि शनि अमावस्या के दिन शनि का पूजन विशेष फलदायी होता है। जिन जातक की कुंडली या राशियों पर साढ़ेसाती व ढैया का प्रभाव है वे अच्छे फल प्राप्त करने के लिए 24 दिसंबर को पड़ने वाली शनिश्चरी अमावस्या पर शनिदेव का विधिवत पूजन कर पर्याप्त लाभ उठा सकते हैं। बताए गए उपाय सभी जातकों को सफलता दिलाएंगे।

ज्योतिषाचार्य राजकुमार शास्त्री के अनुसार 24 दिसंबर को शनिश्चरी अमावस्या का मुहूर्त प्रात: 6.30 से प्रारंभ होकर रात्रि 3.40 तक रहेगा।

**शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए ये करें उपाय**

- शनि अमावस्या के दिन या रात्रि में शनि चालीसा का पाठ, शनि मंत्रों का जाप एवं हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- इस दिन पीपल के पेड़ पर सात प्रकार का अनाज चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीपक जलाएं।
- तिल से बने पकवान, उड़द से बने पकवान गरीबों को दान करें।
- उड़द दाल की खिचड़ी दरिद्रनारायण को दान करें।
- अमावस्या की रात्रि में 8 बादाम और 8 काजल की डिब्बी काले वस्त्र में बांधकर संदूक में रखें।
- शनि यंत्र, शनि लॉकेट, काले घोड़े की नाल का छल्ला धारण करें।
- इस दिन नीलम या कटैला रत्न धारण करें। जो फल प्रदान करता है।
- काले रंग का श्वान इस दिन से पालें और उसकी सेवा करें।

# सर्वधर्म समभाव का प्रतीक स्वस्तिक

मांगलिक प्रतीक सकारात्मक उर्जा की खान होते हैं, जो हमें नकारात्मक ऊर्जाओं से लड़ने की ताकत तो देते ही हैं, हमारी प्रगति की राहें भी सहज करते हैं। तभी लोग प्रतीकों को धारण करते हैं। इन्ही प्रतीकों में अहम है स्वस्तिक, जिसे दुनियाभर के तमाम धर्म, वर्ग और समाज में मांगलिक माना जाता है। अपने घर में, घर के मुख्य द्वार और वस्तुओं पर इस प्रतीकको अंकित करते हैं। इसके प्रयोग का उद्देश्य यही रहता है कि हमारे आसपास सकारात्मक उर्जा का संचार होता रहे और हमारा घर-परिवार खुशहाल, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील रहे। जानिए, यह मांगलिक प्रतीक हमें क्या-क्या लाभ देता है -

## स्वस्तिक मंत्र

किसी भी मंगल कार्य की शुरुआत स्वस्ति मंत्र उच्चारण के साथ की जाती है। यह मंत्र है-

*ऊं स्वस्ति न इंद्रो वृद्ध-श्रवा-हा स्वस्ति न-ह पूषा विश्ववेदा- हा।*
*स्वस्ति न-ह ताक्षर्‌यो अरिष्टि-नेमि-हि स्वस्ति नो बृहस्पति-हि-दधातु ॥*

महान कीर्ति वाले इंद्र हमारा कल्याण करो, विश्व के ज्ञानस्वरूप पूषादेव हमारा कल्याण करो। जिसका हथियार अटूट है ऐसे गरुड़ देव हमारा मंगल करो। बृहस्पति देव हमारा मंगल करो। यानी जहां शुभ, मंगल और कल्याण का भाव होता है, वहीं स्वस्तिक का वास होता है। इसे सरल रूप में देखें, तो जहां परिवार, समाज या रिश्तों में प्यार, सुख, श्री, उमंग, उल्लास, सद्भाव, सुंदरता और विश्वास का भाव हो।

**स्वस्तिक** शब्द सु एवं अस्ति का योग है। सु का अर्थ है... शुभ और अस्ति का अर्थ है होना। इस तरह स्वस्तिक अर्थात शुभ हो, कल्याण हो। स्वस्तिक किसी व्यक्ति, जाति या वर्ग का प्रतीक नहीं, यह समग्र विश्व का कल्याणकारक है और इसमें 'वसुधैवकुटुंबकम', यानी विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही इसे विशेष महत्व दिया जाता है, मंगल का प्रतीक माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य करने से पहले स्वस्तिक चिह्न निर्मित कर उसका पूजन किया जाता है। अमरकोश में भी स्वस्तिक का अर्थ आशीर्वाद, मंगल या पुण्यकार्य करना बताया गया है। अर्थात सभी दिशाओं में सबका कल्याण हो।

**आकृति का अर्थ**

स्वस्तिक का रूपांकन छह रेखाओं के प्रयोग से होता है। स्वस्तिक में एक-दूसरे को काटती हुई दो सीधी रेखाएं होती हैं या स्वस्तिक बनाने के लिए धन चिह्न बनाकर उसकी चारों भुजाओं के कोने से समकोण बनाने वाली एक रेखा दाहिनी ओर खींचने से स्वस्तिक बन जाता है। यह रेखा खींचना लंबवत भुजा से प्रारम्भ करना चाहिए और इसमें दक्षिणवर्ती गति होती है। दिशाएं मुख्यत: चार हैं, खड़ी तथा सीधी रेखा खींचकर जो धन चिह्न जैसा आकार बनता है, यह चार दिशाओं का द्योतक सर्वत्र और सदैव यही माना गया है। ऋग्वेद की ऋचा में स्वस्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और उसकी चार भुजाओं को चार दिशाओं की उपमा दी गई है। सिद्धांत सार ग्रंथ में उसे विश्व ब्रह्मांड का प्रतीक चिह्न माना गया है। उसके मध्य भाग को विष्णु की कमल-नाभि और रेखाओं को ब्रह्माजी के चार मुख, चार हाथ और चार वेदों के रूप में निरूपित किया गया है। अन्य ग्रंथों में चार युग, चार वर्ण, चार आश्रम एवं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के चार प्रतिफल प्राप्त करने वाली समाज व्यवस्था एवं वैयक्तिक आस्था को जीवंत रखने वाले संकेतों को स्वस्तिक में ओत-प्रोत बताया गया है। प्राचीन काल में राजा-महाराज द्वारा किलों का निर्माण स्वस्तिक के आकार में किया जाता रहा है, ताकि किले की सुरक्षा अभेद्य बनी रहे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार स्वस्तिकनुमा दुर्ग का निर्माण पूर्णत: वास्तु-सम्मत होता था।

**पौराणिक महत्व**

पुराणों के अनुसार स्वस्तिक में शक्ति, प्रगति, प्रेरणा और शोभा का समन्वय माना जाता है। इन्ही के समन्वय से यह जीवन और संसार समृद्ध बनता है। स्वस्तिक की चार भुजाओं को विष्णु की चार भुजाओं के रूप में माना गया है, जो विकास और विनाश के बीच संतुलन बनाकर सृष्टि को चला रहे हैं। भगवान विष्णु अपने चारों हाथों से दिशाओं का पालन करते हैं। स्वस्तिक का केन्द्र-बिंदु है नारायण का नाभि-कमल, यानी सृष्टिकर्ता ब्रह्मा का उत्पत्ति-स्थल। इससे सिद्ध होता है कि स्वस्तिक सृजनात्मक है। स्वस्तिक की चारों भुजाओं को चारों दिशाओं के कल्याण की कामना के प्रतीक के रूप में भी स्वीकार किया जाता है, जिन्हें बाद में इसी भावना के साथ रेडक्रॉस सोसायटी ने भी अपनाया।

**स्वस्तिक का लाल रंग**

भारतीय संस्कृति में लाल रंग को बहुत शुभ माना जाता है और मांगलिक कार्यों में उसका प्रयोग सिंदूर, रोली या कुमकुम के रूप में किया जाता है। लाल रंग सजीवता का प्रतीक है और हमारे शरीर में व्याप्त होकर प्राण शक्ति का पोषक है। मूलत: यह रंग ऊर्जा, शक्ति, स्फूर्ति और महत्वाकांक्षा का संकेतक है। नारी के जीवन में इसका विशेष स्थान है और उसके सुहाग चिह्न व श्रृंगार में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है।

स्त्री की मांग का सिंदूर, माथे की बिंदी, हाथों की चूड़ियां, पांव का आलता-महावर, करवाचौथ की साड़ी, शादी का जोड़ा आदि के रूप में लाल रंग की महत्ता मौजूद है। नाभि स्थित मणिपुर चक्र का पर्याय भी लाल रंग है। शरीर में लाल रंग की कमी से अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं। लाल रंग से ही केसरिया, गुलाबी, मेहरून और अन्य रंग बनाए जाते हैं। इन सब तथ्यों से प्रमाणित होता है कि स्वस्तिक लाल रंग से ही अंकित किया जाना चाहिए या बनाना चाहिए।

**विश्वभर में मान्यता**

स्वस्तिक को भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के कई देशों में विभिन्न स्वरूपों में मान्यता प्राप्त है। जर्मनी, यूनान, फ्रांस, रोम, मिस्र, ब्रिटेन, अमरीका, स्कैंडिनेविया, स्पेन, सीरिया, तिब्बत, चीन, साइप्रस और जापान आदि देशों में भी स्वस्तिक का प्रचलन है।

अधिकांश लोगों की मान्यता है कि स्वस्तिक सूर्य का प्रतीक है। जैन धर्मावलंबी अक्षत पूजा के समय स्वस्तिक चिह्न बनाकर तीन बिंदु बनाते हैं। पारसी उसे चतुर्दिक दिशाओं एवं चारों समय की प्रार्थना का प्रतीक मानते हैं। व्यापारी वर्ग इसे शुभ-लाभ का प्रतीक मानते हैं।

बहीखातों में ऊपर की ओर श्री लिखा जाता है और उसके नीचे स्वस्तिक बनाया जाता है। भले ही विभिन्न देशों के रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पद्धतियों में भी जबतब परिवर्तन होता रहता है, लेकिन यह सच है कि सुख-समृद्धि एवं रक्षित जीवन के लिए दुनियाभर में कई जगह स्वस्तिक का इस्तेमाल किया जाता है।

# समृद्धि लाती है लकी कैट

**हर** सभ्यता में पशु-पक्षियों के साथ अलग-अलग धारणाएं जुड़ी होती हैं। यह भी हो सकता है कि एक ही जानवर के बारे में अलग-अलग सभ्यताओं में परस्पर विपरीत धारणाएं देखने सुनने को मिलें। ऐसा ही बिल्ली के साथ है। फेंगशुई में बिल्ली को प्राचीन समय से ही शुभ माना जाता है। बिल्ली को धन-संपत्ति और लक्ष्मी जी के साथ भी जोड़ा जाता है। भारत में एक मान्यता यह भी है कि दीवाली की रात लक्ष्मीपूजन के समय बिल्ली का घर में आना या दिखाई देना समृद्धि सूचक होता है। भारत में ही नहीं, जापान, हांगकांग व सिंगापुर में भी बिल्ली को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। वहां बिल्ली के स्टेचू (टॉय, जिसमें बिल्ली का अगला एक पांव उठा हुआ प्रतीत होता है) अक्सर देखने को मिल जाती है। बिल्ली के इस स्टेचू को लकी कैट कहा जाता है, जिसे ऑफिस, घर व दुकान में रखना शुभ समझा जाता है। सौभाग्य व समृद्धि के लिए इसे घर और ऑफिस में रखा जाता है। सफेद और पीले रंग की बिल्ली को पश्चिम दिशा में रखने से समृद्धि आती है। परपल रंग की बिल्ली को मध्य भाग में रखने से पारिवारिक जीवन में मधुरता आती है। हरे रंग की बिल्ली उत्तर-पूर्व में रखने से स्वास्थ्य ठीक रहता है, वहीं उत्तर दिशा में नीले रंग की बिल्ली दुर्भाग्य दूर करती है।

लकी कैट का इस्तेमाल कई अलग-अलग प्रयोजनों के लिए किया जाता है। दुर्भाग्य भगाने के लिए व सुख-संपन्नता पाने के लिए इसका उपयोग अधिक किया जाता है। भारत में आमतौर पर लकी कैट गोल्डन कलर की मिलती है। इसे जमीन से 4-5 फुट ऊपर लगाना चाहिए। इसकी कीमत 300 रुपए से 1500 रुपए तक होती है। माना जाता है कि गोल्डन लकी कैट गोल्ड यानी सोने की तरह घर व कार्य- स्थल में संपन्नता की बरसात करती है।

सलाह

# पार्टनर से कर रहे हैं चैट तो रखें खास बातों का ख्याल

आजकल के मॉडर्न जमाने में मोबाइल हर किसी की जरूरत बन गया है। सुबह हो या रात इसको देखे बिना आजकल के युवाओं का मन ही नहीं लगता। यहां तक की पार्टनर भी आपस में बात करने के लिए ज्यादातर चैटिंग का ही सहारा लेते हैं। कई बार तो चैटिंग से बात स्पष्ट न होने के कारण छोटी सी बात भी बड़े झगड़े का कारण बन जाती है। आप भी पार्टनर के साथ बात करने के लिए चैटिंग का सहारा ले रहे हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखें।

### 1. टाइम का रखें ख्याल

यह जरूरी नहीं की आपका पार्टनर हर समय चैटिंग करने के लिए फ्री हो। बिजनेस के कारण या किसी जरूरी मीटिंग के वक्त उनको डिसटर्ब न करें। बात करने के लिए सही मौके का इंतजार करें।

### 2. विषय से न भटके

इस बात का ख्याल रखें कि चैटिंग एक-दूसरे का हाल पूछने या फिर जरूरी बात के लिए अच्छा विकल्प है। बात करते समय विषय से न भटके

### 3. न करें छोटी-छोटी बात

छोटी-छोटी बात के लिए चैटिंग करने से आपके पार्टनर को बुरा भी लग सकता है। जो बात जरूरी है सिर्फ वहीं करें।

### 4. सहजता से करें चैटिंग

चैटिंग करते समय इस बात का ख्याल रखें कि हड़बडाहट या घबराहट में बात न करें। इससे आपको अपनी बात दूसरे को समझाने में परेशानी हो सकती है।

## ज्यादा अपेक्षाएं मत पालो, आरामदायक जीवन का मंत्र

एक बार भ्रमण पर निकले दार्शनिक सुकरात की मुलाकात किसी शहर में एक बुजुर्ग से हुई। बुजुर्ग सुकरात को अपने घर ले गए। उनका भरा-पूरा परिवार था। घर में बेटे-बहुओं के अलावा पौत्र-पौत्रियां भी थे। सुकरात ने पूछा-आपके घर में तो सुख-समृद्धि का वास लग रहा है। वैसे अब आप करते क्या हैं? बुजुर्ग ने कहा-अब मुझे कुछ नहीं करना पड़ता। ईश्वर की कृपा से हमारा अच्छा कारोबार है, सारी जिम्मेदारियां अब मैंने अपने बेटों को सौंप दी हैं। घर का जिम्मा बहुएं संभालती हैं। इसी तरह जीवन चल रहा है। सुकरात ने फिर पूछा-पर आपको कुछ तो करना ही पड़ता होगा। बुढ़ापे में आपके इस सुखी जीवन का रहस्य क्या है? सुकरात की बात सुनकर बुजुर्ग बोला-मैंने जीवन के इस मोड़ पर बस एक ही फलसफा अपनाया है कि दूसरों से ज्यादा अपेक्षाएं मत पालो। जो मिले, उसमें संतुष्ट रहो। मैं और मेरी पत्नी अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व अपने बेटे-बहुओं को सौंपकर निश्चिंत हैं। अब वे जो कहते हैं, वह मैं कर देता हूं और जो कुछ भी खिलाते हैं, वह खा लेता हूं। अपने पौत्र-पौत्रियों के साथ हंसता-खेलता हूं। बच्चे जब कुछ भूल करते हैं, तब भी मैं चुप ही रहता हूं। जब कभी वे मेरे पास सलाह-मशविरे के लिए आते हैं, तो मैं अपने जीवन के सारे अनुभवों को उनके सामने रखते हुए उनके द्वारा की गई भूल से उत्पन्न दुष्परिणामों के प्रति उन्हें सचेत कर देता हूं। मेरी सलाह पर वे कितना अमल करते हैं, यह देखना मेरा काम नहीं है। यदि वे मेरे पास पुनः आते हैं, तो मैं नेक सलाह देकर उन्हें विदा कर देता हूं। यह सुनकर सुकरात बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा-इस आयु में जीवन कैसे जिया जाए, यह आपने बखूबी समझ लिया है।

# क्या आप जानते हैं इन हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स के बारे में

कभी हेयर स्टाइल का मतलब हुआ करता था बॉलीवुड के स्टार्स की तरह की स्टाइल। किसी खास फिल्म में अपने पसंदीदा कलाकार की हेयर स्टाइल की कॉपी करने तक ही हेयर स्टाइलिंग का मामला सिमटा हुआ था। इससे ज्यादा हेयर स्टाइल का कोई मतलब भी नहीं था। बीते कुछ सालों में बालों ने स्टाइलिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल कर लिया है। इसके साथ ही शुरू हुई है हेयर स्टाइलिंग और केयरिंग प्रॉडक्ट्स की मांग।

ये हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स भी बाजार में बड़ी रेंज उपलब्ध होते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ प्रॉडक्ट्स के बारे में।

### वैक्स

इसे मोल्डिंग क्रीम, स्टाइलिंग पेस्ट, क्ले या पुट्टी के तौर पर भी जाना जाता है। यह हेयर स्टाइलिंग के लिए उपयोग किया जाने वाला बहुत आम प्रोडक्ट है। इसका हर दिन उपयोग किया जा सकता है। आपके बाल चाहे स्ट्रेट हों या वेवी, ज्यादा लंबे हों या फिर छोटे... हर तरह के बालों में आप वैक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपको बालों को होल्ड करके रखता है और साथ ही हल्की-सी चमक भी देता है।

### पॉमेड

यदि आप बालों को और भी ज्यादा व्यवस्थित व चमकदार चाहते हैं, तो पॉमेड सबसे उपयुक्त उत्पाद है। अपने बालों को वेल-ग्रूम्ड और एकदम संवरे हुए रखने के लिए टॉवेल से बालों को सुखाकर पॉमेड का इस्तेमाल करें। एक बार सूखने पर आपके बाल संवरे और चमकदार नजर आएंगे। चूंकि यह आपको बालों को हल्का-सा चिपचिपा बनाता है, इसलिए उन लोगों के लिए यह बहुत अच्छा विकल्प नहीं है, जो अपने बालों को अपने हाथों से संवारते हैं।

### क्रीम

हेयर क्रीम बालों को पूरी तरह से संवरा हुआ नहीं रखता है, लेकिन इससे लंबे और कर्ली बाल बहुत अच्छे तरीके से संभाले जा सकते हैं। हेयर क्रीम बालों को अच्छे-से नम रखता है ताकि वे सही दिशा में संवरे रहें।

### ड्राय शैंपू

हर दिन बालों में शैंपू करना अच्छा नहीं माना जाता है क्योंकि इससे बालों से प्राकृतिक नमी कम होने लगती है और यह बालों की सेहत के लिए ठीक नहीं होता है। यदि आप शैंपू नहीं करते हैं, तब भी आपके बाल चिपचिपे हो जाते हैं। इससे निबटने और बालों को नुकसान से बचाने के लिए आप ड्राय शैंपू का उपयोग करें। इसे आप सूखे बालों पर स्प्रे करें ताकि यह आपके बालों में से चिपचिपापन सोख ले। इससे आपके बाल एकदम फ्रेश नजर आने लगेंगे। साफ बाल ज्यादा घने भी नजर आते हैं।

### जेल

जेल सबसे पुराना और सबसे लोकप्रिय उत्पाद है। एक अच्छा हेयर जेल हर दिन प्रयोग करने के लिए अच्छा विकल्प है। इससे आपकी स्टाइलिंग एकदम परफेक्ट रहेगी। जरा-सा जेल टॉवेल से सुखाए गए बालों पर लगाएं।

# स्मार्टफोन डाटा और पैसे बचाने के लिए उपयोग करें ये 5 तरीके

प्रीपेड मोबाइल यूजर्स के साथ बैलेंस को लेकर कई समस्याएं आती हैं। जैसे यूजर्स को डाटा बैलेंस खत्म होने का पता नहीं चलता है जिसके चलते मेन बैलेंस से डाटा इस्तेमाल हो रहता है। ऐसे में यूजर का सारा बैलेंस खत्म हो जाता है। हो सकता है कि आपके साथ भी ऐसा हुआ है। इसी परेशानी को देखते हुए हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लाएं हैं जो आपका डाटा बचाने में मदद करेंगे। इससे आपका बैलेंस भी जीरो नहीं होगा।

### ऐसे बचाएं मोबाइल डाटा व पैसा

» देखा जाए तो एप्स अपडेट होने में ज्यादा डाटा खर्च होता है। जैसे ही फोन में इंटरनेट कनेक्ट होता है वैसे ही एप्स अपडेट होने लगती है। ऐसे में अगर आप एप्स का ऑटो अपडेट ऑप्शन बंद कर दें या उसे ओनली वाई-फाई पर सेट कर दें तो आपका डाटा बच सकता है।

» व्हाट्सएप इस्तेमाल करते समय यह ऐप काफी डाटा खर्च करती है। दरअसल, व्हाट्सएप पर आने वाली इमेज और मीडिया फाइल्स अपने आप ही डाउनलोड हो जाती हैं। इससे यूजर्स का मोबाइल डाटा काफी खर्च होता है। इसके लिए आपको व्हाट्सएप सेटिंग्स में जाकर यूसेज पर क्लिक करना होगा। इशके बाद यहां आपको मीडिया ऑटो डाउनलोड के ऑप्शन मिलेंगे जिन्हें आप अपने मुताबिक सेट कर सकते हैं। आप इन्हें ऑटो डाउनलोड ओवर वाई-फाई पर सेट कर सकते हैं।

» अगर आप अपने स्मार्टफोन पर क्रोम ब्राउजर का इस्तेमाल करते हैं तो यह इससे आपका मोबाइल डाटा ज्यादा खर्च होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि क्रोम किसी भी वेबसाइट के वेब वर्जन डाउनलोड करता है। ऐसे में आप किसी भी साइट का लाइट वर्जन ब्राउज करें। इसके लिए क्रोम सेटिंग्स पर जाकर डाटा सेवर ऑप्शन को ऑन कर दें।

» फेसबुक चलाते समय उसके वीडियोज भी ऑटो प्ले होते हं। इससे फोन का डाटा ज्यादा खर्च होता है। इसके लिए फेसबुक एप की सेटिंग में जाकर ऑटोप्ले को ऑफ कर दें।

» आपके फोन में गूगल ड्राइव, कैंडी क्रश, जीमेल जैसे कई एप्स मौजूद होंगे। ये सभी एप्स मोबइल डाटा ऑन होते ही फाइल्स को ऑनलाइन सेव/सिंक करते हैं। इससे डाटा काफी खर्च होता है। इसक लिए आप नोटिफिकेशन टॉगल में जाकर sync ऑफ कर दें।

# कुछ इस तरह सुंदर पौधे लाएंगे घर में खुशहाली

फेंगशुई के अनुसार स्वस्थ और सुंदर पौधे आपके घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को उत्साह और उमंग से सराबोर कर देते हैं।

फेंगशुई में पौधों को नौ आधारभूत सुरक्षा सावधानियों में से एक माना गया है, इसलिए घर के खाली हिस्सों में पौधे लगा देना चाहिए।

» चढ़ने वाली बेलें जिन्हें क्लाइंबर्स कहा जाता है जैसे- मनी प्लांट को कोने में लगाकर उस जगह की उदासीनता को कम किया जा सकता है।

» घर के दक्षिण-पूर्व कोने को धन और समृद्धि का कोना माना जाता है इसलिए यहां चौड़े पत्तियों वाले पौधे लगाना चाहिए।

» मुरझाए हुए या सूख गए पौधों को तुरंत हटा देना चाहिए, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा फैलती है।

» घर के सामने वाले हिस्से में कांटेदार या नुकीले पत्तों वाले पौधे नहीं लगाना चाहिए। वे नकारात्मक ऊर्जा को सहयोग करते हैं।

» ये पौधे न सिर्फ आपके घर को बल्कि आपके जीवन को भी महकाते हैं और सबसे बड़ी बात कि इन्हें फॉलो करना बहुत कठिन भी नहीं है।

सलाह

# करी पत्ते से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं आप?

करी पत्ते को मीठी नीम भी कहा जाता है। अक्सर खाने का जायका बढ़ाने के लिए घरों में करी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। हमें दक्षिण भारत के व्यंजनों में ज्यादातर करी पत्ते का इस्तेमाल देखने को मिलता है। करी पत्ता ना केवल खाने का स्वाद और खुशबू बढ़ाता है बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। करी पत्ते में मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। करी पत्ते में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। करी पत्ते में विटामिन ए-सी-बी-ई, आयरन, कैल्शियम और फॉलिक एसिड की भरपूर मात्रा होती है। करी पत्ता बालों और त्वचा दोनों के लिए अच्छा माना जाता है।

### करी पत्ते के ये फायदे जानकर हैरान हो जाएंगे आप

**वजन घटाने में मददगार:** अगर बढ़े हुए वजन से परेशान हैं तो अपने मेन्यू में करी पत्ते को शामिल करें। रोजाना करी पत्ते के सेवन से शरीर की जमी हुई चर्बी घटेगी और वजन आसानी से कम होगा।

**लीवर दुरुस्त रखे :** करी पत्ते में मौजूद विटामिन-ए और सी लीवर को तंदुरुस्त रखने में मदद करते हैं। अधिक मात्रा में स्मोकिंग करने या शराब पीने से लीवर कमजोर हो जाता है। ऐसे में करी पत्ता खाना फायदेमंद साबित हो सकता है।

**दिल को रखे स्वस्थ :** करी पत्ते के सेवन से आप दिल से जुड़ी बीमारियों से दूर रह सकते हैं। बता दें, करी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं जो शरीर में खराब कोलेस्ट्राल को बढ़ने से रोकते हैं।

**एनीमिया से बचाए :** करी पत्ता आयरन और फॉलिक एसिड का अच्छा स्रोत है, जो एनीमिया के खतरे को कम करने में सहायक है।

**डायबिटीज के लिए असरदार :** करी पत्ते में एंटी डायबिटिक एजेंट होते हैं। इसके लगातार सेवन से शुगर लेवल को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। करी पत्ता इन्सुलिन को प्रभावित कर ब्लड-शुगर लेवल को कम करता है।

**त्वचा, बालों के लिए फायदेमंद :** करी पत्ता त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। दाग-धब्बों और मुंहासों से निजात पाने के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल करें। करी पत्ते का फेस पैक लगाने से आप चेहरे की रंगत निखार सकते हैं।

अगर काले, लंबे और घने बालों का शौक रखती हैं तो करी पत्ते का इस्तेमाल करें। करी पत्ता बालों का झड़ना, रुसी और रुखापन कम करता है। करी पत्ते को उबालने के बाद हरे रंग के पानी से बालों की अच्छे से मालिश करें।

**आंखों की रोशनी बरकरार रखे :** करी पत्ते में भरपूर मात्रा में विटामिन-ए होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद होता है। करी पत्ते के लगातार सेवन से आंखों से जुड़ी बीमारियों से निजात मिल सकती है और आंखों की रोशनी भी बढ़ती है।

**इंफेक्शन से बचाए :** करी पत्ते में मौजूद एंटी ऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण त्वचा के लिए गुणकारी हैं। त्वचा में इंफेक्शन होने पर करी पत्ते का इस्तेमाल असरदार साबित होता है।

**पाचन क्रिया स्वस्थ रखे :** करी पत्ता पाचन संबंधी परेशानियों से छुटकारा दिलाने का बेहतरीन उपाय है। करी पत्ता कब्ज, अपच, बवासीर और डायरिया जैसी परेशानियों से आपको बचाता है।

# बुलंदियों तक पहुँचायेगी अच्छी लीडरशिप की क्वालिटी

समय के साथ क्वालिटी लीडरशिप की डिमांड बढ़ती जा रही है। आप बिजनेस, टेक्नोलॉजी या फिर किसी भी फील्ड के लिए काम कर रहे हो, खुद में लीडरशिप स्किल को लाने की कोशिश करे। क्या पता आपकी यह खासियत आपको बुलंदी पर पहुंच दे। कुछ टिप्स को अपनाकर आप अच्छी लीडरशिप डेवलप कर सकते है।

**लोगों को करे प्रभवित :** अपनी बुद्धिमत्ता और तार्किकता के बल पर कंपनी को फायदा पहुंचना एक अच्छे लीडर की निशानी होती है। आप अपने कार्य और व्यवहार से लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करे। एक्सपर्ट मानते है की लीडरशिप एक आर्ट है और इसे भी निखारा जा सकता है। सभी लोग जन्मजात स्टार नहीं होते, लेकिन लीडरशिप टूल्स का उपयोग कर अपने टैलेंट को निखारते रहते है और लोगो के लिए रोल मॉडल बन जाते है।

**सीखने के लिए तैयार रहे:** एक अच्छा लीडर हमेशा सीखने को तैयार रहता है। यहीं कारण है कि वह हमेशा खुद को अप टू डेट रखता है। एक स्मार्ट लीडर वर्तमान से संतुष्ट रहते हुए भी नई चीजों के लिए तैयार रहता है। वह अपनी टीम को भी यही सीख देता है।

**टीम का हौसला बढ़ायें :** एक अच्छा टीम लीडर हमेशा अपनी टीम का सपोर्ट करता है और टीम मेंबर्स का हौसला बढ़ाता है। विपरीत परिस्थिति में टीम से खुलकर बात करता है और खुलकर बात करने का मौका भी देता है। एक्सपर्ट की माने तो लीडरशिप का सही मतलब असर डालना, दिशा दिखाना और हमेशा सपोर्ट करना है, न कि चीजों को कंट्रोल करना।

**पारदर्शिता रखें :** अच्छे लीडर को कार्य एवं व्यहार में पारदर्शिता दिखने कि जरूरत होती है। अपने काम के प्रति लीडर को हमेशा ईमानदारी और लगन दिखाने की जरूरत होती है। इससे वह टीम का भरोसा एवं दुसरो के लिए मानक भी स्थापित कर पता है।

**जूनियर्स को सम्मान दे:** जब कंपनी आपको लीडरशिप का मौका देती है, तो वह चाहती की आप उसके लिए हर तरीके से बेहतर साबित हो। इसलिए अपने जूनियर्स को सम्मान दे और आप खुद अहंकार को न बढ़ने दे।

**सहयोग के लिए तैयार रहे :** वर्क पैलेस पर आपकी जिम्मेदारी और जबाबदेही बनती है की आप सहयोग की भावना से काम करें। इसके साथ ही आपको स्ट्रांग लीडरशिप की कला से खुद को सजाना ही होगा।

# व्यवसाय को इस प्रकार बनाये लाभकारी

कारोबार बढ़ाने में भी वास्तु के उपाय बेहद लाभदायक होते हैं। कार्यालय वह जगह है जहां लोग पेशेवर ढंग से अपने पेशे और व्यापार के लिए लक्षित होकर काम करते हैं। यह जगह धन सृजन के साथ-साथ प्रतिष्ठा और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति की जगह है। सैद्धांतिक तौर पर ऑफिस को सकारात्मक उर्जा से भरा होना चाहिए, माहौल में रौशनी की अधिकता होनी चाहिए, साथ इसका डिजायन भी आकर्षक और सुविधाजनक होना चाहिए। भारतीय वास्तुशास्त्रों में ऑफिस को व्यवसाय स्थल, कार्यस्थान या कार्यालय कहा गया है और अनेक विस्तृत उपायों की चर्चा की गई, जिसे अपना कर लाभ उठाया जा सकता ह।

भारतीय वास्तुशास्त्रों के अनुसार कार्यालय की बिल्डिंग के लिए उसका प्लॉट चौकोर या आयताकार होना सबसे लाभकारी होता है। अनियमित आकार के भूखंडों से बचने का सुझाव इन ग्रंथों में दिया गया है। कार्यालय के बॉस या कंपनी के मालिक के बैठने का स्थान ऐसा होना चाहिए, जहां किसी आगंतुक की दृष्टि सीधे उसपे न पड़े। इसके लिए ग्रंथों में दक्षिण-पश्चिम कोने में केबिन बनाने का सुझाव दिया गया है और उनका मुख उत्तर दिशा की और सर्वोत्तम माना गया है। कार्यालय के सीनियर स्टाफ के लिए दक्षिण और पश्चिम में बैठना काफी वास्तुसम्मत माना गया है। साथ ही यह भी सुझाव है कि जब वे दक्षिण में बैठे हों, उनका मुख उत्तर की ओर होना चाहिए और पश्चिम में बैठते समय पूर्व का सामना करना चाहिए, जबकि ऑफिस के जूनियर स्टाफ के लिए पूर्व और उत्तरी भाग की जगह सर्वोत्तम मानी गई है।

## रेसिपी

### चटपटे राम लड्डू

**सामग्री**

200 ग्राम अंकुरित मूंग दाल, 60 ग्राम अंकुरित चना दाल, पानी, 2 टीस्पून भूना हुआ जीरा, 1 टेबलस्पून अदरक का पेस्ट, 1 टेबलस्पून धनिया, 1/8 टीस्पून हींग, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च, 1/4 टीस्पून बेकिंग सोडा, 1 टीस्पून नमक, हरी चटनी स्वादअनुसार, इमली की चटनी, मूली, धनिया, चाट मसाला

**विधि**

मूंग दाल और चने की दाल को 3-4 घंटों के लिए पानी में भिगोकर रखें। ब्लेंडर में दोनों दालों को डालकर पीसकर पेस्ट तैयार कर लें और फिर इसे एक बाउल में निकाल लें। अब इसमें जीरा, अदरक का पेस्ट, धनिया, हींग, लाल मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। एक पैन में तेल गर्म करें। अब इसे पकौड़ों की तरह फ्राई कर लें। इन्हें तबतक फ्राई करें जब तक इसका रंग गोल्डन न हो जाएं। अब तैयार किए लड्डू पर हरी चटनी, इमली की चटनी, मूली और धनिए के साथ गार्निश करें। फिर थोड़ा सा चाट मसाला छिड़क कर सर्व करें।

### कॉर्न चीज़ बॉल्स

**साम्रगी**

170 ग्राम उबले हुए आलू, 220 ग्राम स्वीट कॉर्न, 70 ग्राम मोत्ज़ारेला पनीर, 1 टेबलस्पून मैदा, 1 1/2 टेबलस्पून कॉर्न फ्लोर, 1 टीस्पून लाल मिर्च, 1 1/2 टीस्पून गर्म मसाला, 3/4 टीस्पून काली मिर्च, 1/2 टीस्पून अजवायन की पत्ती, 1/2 टीस्पून नमक, मैदा, पानी, ब्रेडम्ब्स

**विधि**

एक बाउल में उबले हुए आलू और स्वीट कॉर्न डालकर अच्छे से मैश करें। अब इसमें मोत्ज़ारेला पनीर, मैदा,कॉर्न फ्लोर, लाल मिर्च, गरम मसाला, काली मिर्च, अजवायन की पत्ती और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। थोड़ा-सा मिक्सर लेकर छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर साइड पर रख दें। एक अन्य बाउल में मैदा और पानी डालकर घोल तैयार कर लें। तैयार की बाउल में को मैदे के मिक्सर में डिप करके ब्रेडक्रम्ब्स में रोल करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करके बाउल्स को फ्राई कर लें। कॉर्न चीज़ बॉल्स तैयार है। इन्हें गर्मा-गर्म सर्व करें।

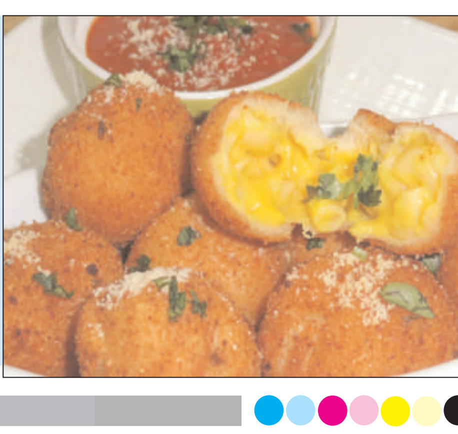

बुधवार, 01 जुलाई, 2026
हैदराबाद
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

# वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामथ्र्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडिया में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा। दरअसल आर्थिक दुरुहता के खिलाफ राज्य की प्राथमिकताएं कम विकसित क्षेत्रों पर आकर ही तय होंगी और इस दृष्टि से रात्रि विश्राम की पहल करके मुख्यमंत्री सुक्खू ने पांगी-बड़ा भंगाल जैसे इलाकों की नब्ज टटोली है। इसी परिप्रेक्ष्य में कभी बीबीएन जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम, कई खामियों को दुरुस्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री अगर शिमला की तर्ज पर जिला मुख्यालयों, प्रमुख शहरों व धार्मिक नगरियों में सुबह की सैर करें, तो मालूम होगा कि कितने आवारा पशु शहरों के अमन को बर्बाद कर रहे हैं या बंदरों के नाच ने नागरिकों का जीना हराम किया है। आश्चर्य यह कि जिलाधीश कार्यालयों में जहां फूल उगने चाहिएं, वहां खड़पतवार चिढ़ा रहे होते हैं। ट्रैफिक जाम में कई कस्बे फंसे रहते हैं। इतना ही नहीं जो क्षेत्र स्थानीय निकायों के हवाले होने चाहिएं, वहां पंचायतें सिर्फ नागरिकों को मुजरिम बना रही होती हैं। उदाहरण के लिए छावनी क्षेत्रों से आजाद होकर अगर दशकों की शहरी परिपाटी को पंचायतों में बांटा जा रहा है, तो यह लज्जाजनक उपलब्धि है। सबसे बड़े योल छावनी से नागरिक क्षेत्र बाहर करके न जाने किस सियासत की संतुष्टि हुई, लेकिन अब चार पंचायतों में विघटित क्षेत्र गंदगी, नागरिक सुविधाओं की अफरातफरी और मूलभूत सुविधाओं की योजनाओं में दरिद्र हो गए। आजादी के पहले से योल छावनी प्रशासन इन क्षेत्रों में सुरक्षित पानी, साफ आबोहवा और व्यवस्थित जीवन की गारंटी दे रहा था, तो अब गांव की दहलीज पर आटा गीला करके क्या मिलेगा। हिमाचल की प्रगति, आर्थिक दुरुहता और पिछड़ेपन को दूर करके साबित होगी, तो धर्मशाला से चंद कदम दूर योल छावनी के पिछड़े ग्राम नगर निगम की परिधि में समाहित होने चाहिएं।

हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामथ्र्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पतन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुड़िया में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती।

कुछ अलग

## भाषा की राजनीति

बहस का अगला विषय था- भाषा की राजनीति। कॉकरोचानंद व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोले, 'मनुष्य बड़ा विचित्र जीव है। अपनी भाषा बोलने वालों को पिछड़ा कहता है और अंग्रेज़ी भाषा में गलत बोलने वाले को आधुनिक।' साहित्य प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि ने उनका समर्थन करते हुए कहा, 'हमने देखा है कि कुछ मनुष्य 'वाटर' मांगते हैं, जबकि प्यास उन्हें पानी की ही लगी होती है।' सभा फिर हंसी से भर उठी। कॉकरोचानंद ने कहा, 'भाषा ज्ञान का माध्यम है, प्रतिष्ठा का नहीं। किंतु मनुष्य ने उसे पद, पैसा और पहचान का प्रवेश-द्वार बना दिया है।' एक छात्र ने प्रश्न किया, 'क्या अंग्रेजी सीखना गलत है?' 'कदापि नहीं।' वह बोले। 'फिर समस्या क्या है?' छात्र ने पूछा। 'समस्या तब है, जब भाषा सीखने के साथ मनुष्य स्वयं को भूलने लगे।' वह गंभीर होकर बोले। यह सुनकर सभा शांत हो गई। कॉकरोचानंद ने एक पुराना किस्सा सुनाया, 'एक बार एक युवा तिलचट्टा विदेश गया। लौटकर उसने कहा, 'अब मुझे तिलचट्टा मत कहिए, मैं इंटरनेशनल कॉकरोच हूं।' मैंने पूछा, 'बेटा, चप्पल किस भाषा में खाई?' यह सुनकर उसने सिर झुका लिया। संपूर्ण सभागार ठहाकों से गूंज उठा। इसके बाद पहचान पर चर्चा आरंभ हुई। एक प्रतिनिधि बोला, 'गुरुदेव! मनुष्य अपने शहरों, सडक़ों, संस्थानों और योजनाओं के नाम दूसरी भाषाओं में बदलकर बहुत प्रसन्न होता है।' कॉकरोचानंद ने कहा, 'हां। उसे लगता है नाम बदलते ही इतिहास भी बदल जाएगा।' 'पर कुछ बदलता है?' एक अन्य ने पूछा। 'सिर्फ बोर्ड।' वह हंसते हुए बोले। सभा में तालियां बज उठीं। वह आगे कहने लगे, 'यदि अस्पताल का नाम 'आरोग्य भवन' रख देने से रोग समाप्त हो जाएं, तो चिकित्सा विज्ञान की आवश्यकता ही न रहे।' अब आधुनिकता पर बहस शुरू हुई।

सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया

# नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

उमेश चतुर्वेदी

पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे। भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा। पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह

होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है। आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं? इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज़ शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो। बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

देश दुनिया से

# क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं। वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक

प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी? किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा।

आप का नज़रिया

## समझौता संभव नहीं...

आखिर राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान क्या चाहते हैं? वे युद्ध को समाप्त करने के पक्षधर हैं अथवा युद्धविराम का ढोंग करते रहना चाहते हैं? दुनिया की पतली आर्थिक स्थितियों और ऊर्जा-खाद्य संकट के कोहराम के लिए दोनों ही देश जिम्मेदार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट लिखी है, जिसके भाषायी मायने साफ हैं कि उन्होंने मान लिया है कि ईरान मानने लायक नहीं है, लिहाजा अब सेना के जरिए काम पूरा करना पड़ेगा। यदि ऐसा करना पड़ा, तो ईरान का वजूद ही खत्म हो जाएगा। पलटबयान में ईरान भी कम नहीं है। उसके प्रवक्ता भी खूब धमकियां देते हैं। अप्रत्याशित हथियारों की बात करते हैं। समझौते के सहमति-पत्र पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे। उसकी अपनी राष्ट्रीय और द्विपक्षीय महत्ता और गरिमा होती है, लेकिन ईरान में कट्टरपंथियों और आईआरजीसी का एक तबका ऐसा है, जो युद्ध खत्म करने के खिलाफ है। और कितना बर्बाद, खंडहर होना चाहता है ईरान? उसकी 40 फीसदी से ज्यादा आबादी गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश है। मुद्रास्फीति 65-70 फीसदी के करीब है, लिहाजा ब्रेड, मांस, खाने-पीने की आम चीजों की कीमतें 140 फीसदी तक उछल गई हैं। अर्थव्यवस्था में 8.8 से 10 फीसदी तक की गिरावट संभावित है। यह आकलन आईएमएफ का है। ईरानी मुद्रा 'रियाल' का ऐसा ऐतिहासिक पतन हुआ है, लिहाजा लोग किश्तों पर 'रोटी' खाने को विवश हैं। युद्ध में ईरान का नुकसान करीब 270 अरब डॉलर आंका गया है, जो उसकी जीडीपी के 57 फीसदी के बराबर है। और कितना दरिद्र होगा ईरान? ताजा हालात ये हैं कि अमरीकी सेना ने ईरान के 10 मिसाइल और ड्रोन के ठिकानों पर हमले किए। उसने ईरान के रडार और सर्विलांस सिस्टम को तबाह कर दिया। पलटवार में ईरान ने कुवैत के अमरीकी वायुसेना बेस और बहरीन के अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। ईरान ने कतर में भी हमले किए, लेकिन इस बार सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नहीं छुआ। शायद कोई 'मोटी डील' हो गई होगी! अमरीका ने होर्मुज के तटीय इलाकों में, केश्म द्वीप और सिरिक में, एफ-16 समेत 6 लड़ाकू विमानों से हमले किए और ईरान के 4 अहम ठिकानों को तबाह, बर्बाद करने का दावा किया। अब ईरान ने हुंकार भरी है कि होर्मुज पर उसका ही कब्जा बरकरार रहेगा। जिस जहाज, टैंकर ने उसके निर्देश नहीं माने, तो उन पर हमला कर नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। यह समझौते और युद्धविराम की कौन-सी भाषा है? इन हमलों और जंगी परिस्थितियों से स्पष्ट है कि अमरीका-ईरान के दरमियान एक ठोस, स्थायी समझौता संभव नहीं है। दोनों की मानसिकता ही समझौते की नहीं है, बल्कि वे अब भी कट्टर दुश्मन की तरह व्यवहार कर रहे हैं। दोनों के बीच जिस तरह हमले बोले जा रहे हैं, वे कोई सामान्य, छुटपुट टकराव नहीं हैं, संपूर्ण युद्ध के आक्रमण हैं। शायद इस युद्ध से अमरीकी अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन पर उतना असर न पड़े, लेकिन युद्ध के दौरान उसके भी 14 सैनिक मारे गए और 300 से अधिक घायल हुए। यह पेंटागन की ही रपट है कि 42 मानवरहित विमान, ड्रोन, लड़ाकू विमान नष्ट हुए या क्षतिग्रस्त हुए। अमरीका का कुल युद्ध खर्च 5 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। पेंटागन ने शेष युद्ध और हथियारों के लिए 80 अरब डॉलर (करीब 6.6 लाख करोड़ रुपए) के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन संसद ने फिलहाल मंजूरी नहीं दी है। यदि युद्ध के संदर्भ में भारत का आकलन करें, तो ईरान युद्ध से भारत को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का व्यापक आर्थिक और राजकोषीय झटका लगा है। भारत करीब 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। जब तेल के दाम 110 डॉलर तक उछले थे, तो पेट्रोल-डीजल, एलपीजी, सीएनजी, खाद आदि के दाम भी बढ़ाए गए थे। फिलहाल उन्हें सस्ता नहीं किया गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट लिखी है, जिसके भाषायी मायने साफ हैं कि उन्होंने मान लिया है कि ईरान मानने लायक नहीं है, लिहाजा अब सेना के जरिए काम पूरा करना पड़ेगा। यदि ऐसा करना पड़ा, तो ईरान का वजूद ही खत्म हो जाएगा। पलटबयान में ईरान भी कम नहीं है। उसके प्रवक्ता भी खूब धमकियां देते हैं। अप्रत्याशित हथियारों की बात करते हैं। समझौते के सहमति-पत्र पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे। उसकी अपनी राष्ट्रीय और द्विपक्षीय महत्ता और गरिमा होती है, लेकिन ईरान में कट्टरपंथियों और आईआरजीसी का एक तबका ऐसा है, जो युद्ध खत्म करने के खिलाफ है। और कितना बर्बाद, खंडहर होना चाहता है ईरान? उसकी 40 फीसदी से ज्यादा आबादी गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश है। मुद्रास्फीति 65-70 फीसदी के करीब है, लिहाजा ब्रेड, मांस, खाने-पीने की आम चीजों की कीमतें 140 फीसदी तक उछल गई हैं। अर्थव्यवस्था में 8.8 से 10 फीसदी तक की गिरावट संभावित है। यह आकलन आईएमएफ का है। ईरानी मुद्रा 'रियाल' का ऐसा ऐतिहासिक पतन हुआ है, लिहाजा लोग किश्तों पर 'रोटी' खाने को विवश हैं। युद्ध में ईरान का नुकसान करीब 270 अरब डॉलर आंका गया है, जो उसकी जीडीपी के 57 फीसदी के बराबर है। और कितना दरिद्र होगा ईरान? ताजा हालात ये हैं कि अमरीकी सेना ने ईरान के 10 मिसाइल और ड्रोन के ठिकानों पर हमले किए।

दृष्टिकोण

# स्कूल प्रबंधन समिति : शिक्षा की नई उम्मीद

यदि किसी राष्ट्र का भविष्य देखना हो तो उसके विद्यालयों को देखिए।' यह केवल एक प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि शिक्षा का शाश्वत सत्य है। विद्यालय किसी भी राष्ट्र की आत्मा होते हैं। यहीं से संस्कार, अनुशासन, नागरिक चेतना और जिम्मेदार भविष्य का निर्माण होता है। इसलिए शिक्षा केवल सरकार या शिक्षकों का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझी जिम्मेदारी है। आज जब हिमाचल प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में नई स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) का गठन हो रहा है, तब यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकारी विद्यालयों में जनविश्वास, उत्तरदायित्व और सामुदायिक भागीदारी को सशक्त बनाने का सुनहरा अवसर है। भारत में विद्यालयों के प्रबंधन में जनभागीदारी का विचार नया नहीं है। अंग्रेजी शासनकाल में 1882 के हंटर आयोग ने पहली बार यह सुझाव दिया कि प्राथमिक शिक्षा के विकास में स्थानीय निकायों और समुदाय की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। यद्यपि उस समय औपचारिक स्कूल प्रबंधन समितियां अस्तित्व में नहीं थीं, फिर भी यह स्वीकार किया गया कि विद्यालय केवल सरकार के भरोसे नहीं चल सकते। 1904 की भारतीय शिक्षा नीति तथा 1919 के भारत शासन अधिनियम ने भी स्थानीय संस्थाओं और समाज की भूमिका को प्रोत्साहित किया। यही वह दौर था जब अभिभावकों को विद्यालय से जोडऩे की सोच ने आकार लेना शुरू किया। स्वतंत्रता के बाद शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम माना गया। 1964-66 के कोठारी आयोग ने स्पष्ट कहा कि विद्यालय तभी सफल होंगे जब समाज उन्हें अपना संस्थान माने। इसी सोच के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 ने सामुदायिक सहयोग और समान अवसरों पर बल दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा 1992 के संशोधित कार्यक्रम ने विद्यालयों के प्रबंधन में अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को और अधिक महत्व दिया। आगे चलकर सर्व शिक्षा अभियान के दौरान विद्यालय शिक्षा समितियों और ग्राम शिक्षा समितियों के

माध्यम से अभिभावकों को नामांकन बढ़ाने, विद्यालय विकास और बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस व्यवस्था को कानूनी आधार बालकों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 से मिला, जो 1 अप्रैल 2010 से लागू हुआ। इसके तहत प्रत्येक सरकारी विद्यालय में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन अनिवार्य किया गया, जिसमें अधिकांश सदस्य अभिभावक रखने का प्रावधान किया गया। इसका उद्देश्य स्पष्ट था-विद्यालयों का संचालन जनता की भागीदारी से हो और प्रत्येक बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी केवल शिक्षक की नहीं, बल्कि पूरे समाज की बने। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने विद्यालय को समाज का केंद्र मानते हुए शिक्षक, अभिभावक, पंचायत, पूर्व विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय के बीच मजबूत साझेदारी पर बल दिया। इसी दिशा में शिक्षा मंत्रालय द्वारा मई 2026 में जारी स्कूल प्रबंधन समिति दिशा-निर्देश विद्यालय प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सुधार माने जा रहे हैं। इन दिशा-निर्देशों में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली, मासिक बैठकें, तीन वर्षीय विद्यालय विकास योजना, महिला प्रतिनिधित्व, सीखने के परिणामों की समीक्षा तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही प्राथमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक एकीकृत एसएमसी व्यवस्था की परिकल्पना की गई है, जिससे विद्यालय प्रबंधन अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बन सके। हिमाचल प्रदेश लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में रहा है।

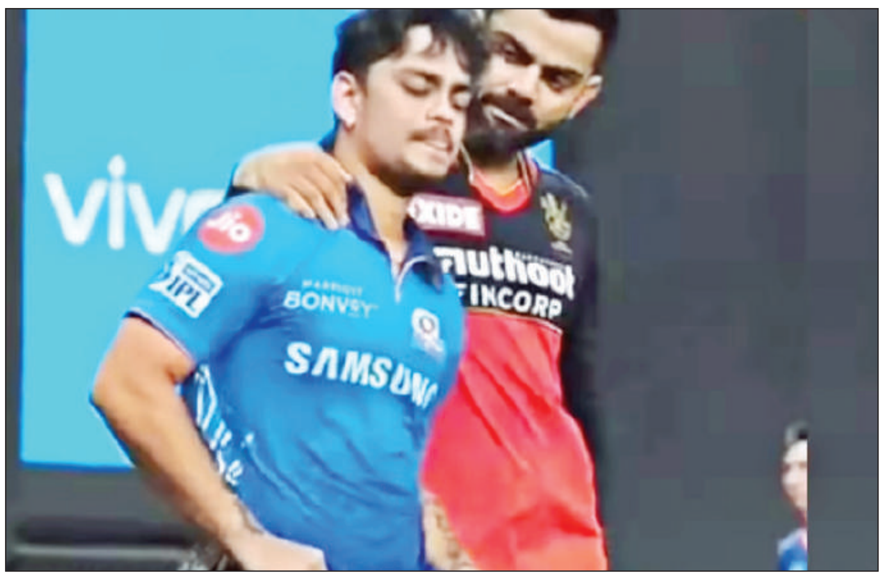

# इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विराट की वापसी के बाद ईशान नंबर 4 पर बल्लेबाजी करें : रायुडू

**हैदराबाद**

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट कोहली की वापसी को देखते हुए बल्लेबाज ईशान को चौथे नंबर पर उतारा जाना चाहिये। रायुडू के अनुसार ईशान बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जिससे ईशान स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

रायुडू ने ईशान किशन के हाला के अच्छे प्रदर्शन की तारीफ की और कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी थी। धर्मशाला में 34 रन और लखनऊ में 125 रन की अपनी पारियों से इस बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है। रायुडू के विश्लेषण के मुताबिक, विराट कोहली के नंबर-3 पर लौटने के बाद, ईशान के लिए नंबर-4 सबसे उपयुक्त स्थान होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नंबर-4 पर ईशान किशन और नंबर-5 पर श्रेयस अय्यर की जोड़ी भारत के मध्यक्रम को बेहद मजबूत और स्थिर बना सकती है।

रायुडू ने विराट कोहली की मानसिक दृढ़ता और फिटनेस की जमकर तारीफ की। रायुडू ने कहा कि विराट अपनी तैयारी, फिटनेस और प्रक्रिया को लेकर बेहद अनुशासित हैं। उन्हें हमेशा पता होता है कि खराब दौर हमेशा नहीं रहेगा। उनकी यह लग्न युवा खिलाड़ियों के लिए एक नया मानक स्थापित करती है। कई क्रिकेटरों ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने करियर को बेहतर बनाया है।

वहीं रायुडू ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल को लगातार अवसर दिये जाने चाहिये। उन्होंने भरोस जताया कि है कि रोहित 2027 विश्व कप की योजनाओं का एक अभिन्न हिस्सा रहेंगे। रायुडू ने कहा कि उनका अनुभव टीम के लिए अमूल्य है और वे न केवल मैदान पर, बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी टीम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बड़े मैचों में रोहित हमेशा ही असाधारण प्रदर्शन करते हैं। तकनीकी और शारीरिक रूप से वे पूरी तरह सक्षम हैं, और सही समय पर मानसिक रूप से खुद को तैयार करना उन्हें बखूबी आता है। रायुडू ने युवा यशस्वी जायसवाल को भी भारत की भविष्य की योजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

## न्यूज ब्रीफ

### एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत कौर को मिली कप्तानी

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने सितंबर 2026 में जापान के ऐची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए मंगलवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। भारतीय महिला टीम इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत ने 2023 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। अब टीम उस सफलता को दोहराने के इरादे से जापान जाएगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर ऋचा घोष और जी. कमलिनी टीम का हिस्सा हैं। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, श्री चरणी, क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा को शामिल किया गया है। हालांकि, ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल का चयन उनकी फिटनेस क्लियरेंस के अधीन रखा गया है। 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल* (फिटनेस क्लियरेंस के अधीन), राधा यादव, नंदिनी शर्मा।

### फीफा विश्व कप 2026: मोरक्को ने शूटआउट में नीदरलैंड्स को हराकर अंतिम-16 में बनाई जगह

**मेक्सिको।** फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू ने शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के चौथे पेनल्टी शॉट को रोक दिया। इसके बाद इस्माइल साइबारी ने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में मोरक्को का सामना कनाडा से होगा। गाक्पो ने दिलाई बढ़त, लेकिन दियोप ने इंजरी टाइम में किया बराबरी का गोल दूसरे हाफ के मध्य में कोडी गाक्पो ने गोल कर नीदरलैंड्स को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह गोल उनके लिए भावनात्मक भी रहा क्योंकि कुछ दिन पहले ही उनकी साथी ने अपने अजन्मे बच्चे के निधन की जानकारी दी थी।

### ब्राजील फीफा विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जापान को 2-1 से हराया

**टेक्सास।** गैब्रियल मार्टिनेली के शानदार गोल से ब्राजील ने जापान को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के केराउंड ऑफ 16में जगह बना ली है। पांच बार की खिताब विजेता ब्राजील इस मैच में अपने पुराने अंदाज में दिखी। मार्टिनेली के इंजरी समय के पांचवें मिनट में किये निर्णायक गोल की सहायता से उसे ये जीत मिली है। जापान ने शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये। मैच के 29वें मिनट में डैनिलो से मिले पास पर काइशू सानो ने एक शानदार मैदानी गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दूसरे हाफ में वापसी करते हुए ब्राजील की टीम हावी रही और उसने जापानी रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। दिग्गज मिडफील्डर कैसिमिरो ने 56वें मिनट में गैब्रियल मैगलहेस के क्रॉस पर हैडर से एक शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद विनीसियस जूनियर ने एक बेहतरीन मूव बनाया पर जापानी गोलकीपर ज़ायन सुज़ुकी ने इसे विफल कर दिया।

# फुटबाल पर भारी निवेश के बाद भी विश्वकप में प्रभावित नहीं कर पायीं कतर और सऊदी अरब

**मियामी**

फीफा विश्व में सऊदी अरब और कतर की टीम का प्रदर्शन बेहद रखा रहा और ये दोनो ही किसी प्रकार का प्रभाव नहीं छोड़ पायीं जबकि इन देशों ने फुटबाल के स्तर को बेहतर बनाने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। वहीं आर्थिक बदहाली से जूझ रही अफ्रीकी टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इससे ये साबित हो गया है कि है कि खेल में मोटी रकम का निवेश करना सफलता की गारंटी नहीं बन सकता। धनी देशों सऊदी अरब और कतर ने पिछले कुछ साल में फुटबाल के बुनियादी ढांचे पर काफी निवेश किया था। उसके क्लबों ने पिछले कुछ वर्षों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार जैसे स्टार खिलाड़ियों को अपने क्लबों से जोड़ा पर इसके बाद भी इनकी टीमों को विश्व कप में शर्मनाक हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। इसके विपरीत, बेहद सीमित संसाधनों वाले अफ्रीकी देशों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का हैरान कर दिया है। सऊदी अरब ने अपनी फुटबाल में बदलाव लाने और उसे शीर्ष स्तर पर ले जाने के साथ ही साल 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी भी हासिल की पर विश्वकप में उसकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई और उस ग्रुप में सबसे निचले स्थान पर रही जिसमें केप वर्दे जैसी छोटे से देश की टीम भी थी। केप वर्दे ने उसे गोलरहित ड्रा पर रोक कर विश्कप से बाहर कर दिया। इससे सऊदी अरब की 1994 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने की उम्मीदें टूट गयीं। उसने तीन मैच में दो ड्रा खेले और अपने ग्रुप में चौथे स्थान पर रहकर बाहर हो गया। सऊदी अरब के कोच जार्जोस डोनिस ने कहा, यह प्रदर्शन हमारी उम्मीद के अनुसार नहीं था क्योंकि जब हम अपने लगभग समान स्तर की टीम के खिलाफ मैच में खेलते हैं, तो हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं होता। इसलिए यह चिंता का विषय है। वहीं चार साल पहले विश्व कप की मेजबानी करने वाला कतर भी महज तीन मैचों के बाद बाहर हो गया। कतर ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच के अंत में बराबरी का गोल दागकर विश्व कप में पहली बार अंक हासिल किया, लेकिन उसे अपने बाकी दो मैच में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि कम से कम हम इस तरह के मैचों में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। हम फुटबाल में अपने भविष्य को लेकर निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। इसके अलावा खाड़ी के अन्य देशों का प्रदर्शन भी खराब रहा। दूसरी ओर अफ्रीकी महाद्वीप की 10 में से नौ टीम नाकआउट राउंड में पहुंचीं, अफ्रीकी देशों के पास खाड़ी देशों की तरह फुटबाल पर भारी भरकम खर्च करने के लिए साधन नहीं हैं, फिर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, जुनून और टीम भावना से असाधारण प्रदर्शन किया है। यह विश्व कप खाड़ी देशों के लिए एक कड़ा सबक है कि खेल के सबसे बड़े मंच पर सफलता केवल धनी के निवेश से नहीं खरीदी जा सकती। केप वर्दे और कांगो जैसे सीमित संसाधनों वाले देशों ने अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि पैसा नहीं प्रतिभा सबसे जरुरी है।

# फीफा विश्व कप 2026 : पैराग्वे ने किया बड़ा उलटफेर, जर्मनी को हराकर अंतिम-16 में किया प्रवेश

**फॉक्सबोरो (बोस्टन)**

चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का फीफा विश्व कप 2026 का सफर सोमवार को सनसनीखेज अंदाज में समाप्त हो गया। पैराग्वे ने 120 मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्णायक पेनल्टी जोसे कैनाले ने गोल में बदलकर पैराग्वे को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

यह विश्व कप इतिहास में पैराग्वे की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। 2010 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली टीम ने लंबे अंतराल के बाद विश्व कप में वापसी करते हुए अब प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। अब उसका सामना फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। जर्मनी ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा। कोच जूलियन नागेल्समैन ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए इस विश्व कप में तीन गोल और दो असिस्ट करने वाले डेनिज़ उंडाव को पहली बार शुरुआती एकादश में शामिल किया। जर्मनी ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाया, लेकिन कोई भी शॉट लक्ष्य पर नहीं लगा सका। इसका फायदा पैराग्वे ने 35वें मिनट के बाद उठाया। मिगुएल अल्मीरोन की वापसी के साथ टीम ने शानदार जवाबी हमला किया और जूलियो एनसिसो ने दमदार हेडर के जरिए गोल कर पैराग्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप के नॉकआउट चरण में पैराग्वे का पहला गोल भी था। दूसरे हाफ में जर्मनी ने वापसी की। 54वें मिनट में फ्लोरियन विर्ट्ज़ के सटीक क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज़ ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सका। अतिरिक्त समय में जर्मनी ने 102वें मिनट में जोनाथन ताह के हेडर से गोल किया, लेकिन लंबी समीक्षा के बाद गोलकीपर पर फाउल मानते हुए इसे रद्द कर दिया गया। मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ। जर्मनी की ओर से काई हैवर्ट्ज़, निक वोल्टेमाडे और जोनाथन ताह अपने प्रयास में असफल रहे।

# तेलंगाना जूनियर बास्केटबॉल लीग का शानदार समापन

## ऐतिहासिक पहले सीजन में चार चैंपियन टीमों की ताजपोशी

हैदराबाद। भारत की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी-आधारित जूनियर बास्केटबॉल लीग तेलंगाना जूनियर बास्केटबॉल लीग (टीजेबीएल) के 10 दिवसीय उद्घाटन संस्करण का यूसुफगुड़ा (हैदराबाद) के कोटला विजयभास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम (के.वी.आर.आई.एस) में भव्य समापन हो गया। तेलंगाना बास्केटबॉल एसोसिएशन (टीबीए) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टूर्नामेंट के आखिरी दिन रोमांचक फाइनल मुकाबले खेले गए।

**कौन बना चैंपियन?**

अंडर-18 बॉयज: वारंगल स्टैलियंस ने विकाराबाद मम्बाज़ को बेहद करीबी मुकाबले में 79-77 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

अंडर-15 गर्ल्स: विकाराबाद मम्बाज़ ने वारंगल स्टैलियंस को 63-52 से शिकस्त देकर ट्रॉफी जीती।

अंडर-18 गर्ल्स: निज़ाम रॉयल्स ने नलगोंडा स्पीड स्ट्राइकर्स को 73-66 से हराकर चैंपियनशिप जीती।

अंडर-15 बॉयज: विकाराबाद मम्बाज़ ने नलगोंडा स्पीड स्ट्राइकर्स पर 101-69 की एकतरफा जीत दर्ज कर दूसरा खिताब जीता।

**उभरते हुए सितारे और बेहतरीन प्रदर्शन**

फाइनल मैचों में युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया:

कृष ने अंडर-15 बॉयज फाइनल में अकेले 72 अंक बनाकर टूर्नामेंट का सबसे धमाकेदार प्रदर्शन किया।

श्रीतेज ने 29 अंक बनाकर वारंगल स्टैलियंस को अंडर-18 बॉयज का चैंपियन बनाया। गीता ने 30 अंक बनाकर विकाराबाद मम्बाज़ की अंडर-15 गर्ल्स टीम को जीत दिलाई।भावना के 25 अंकों की बदौलत निज़ाम रॉयल्स ने अंडर-18 गर्ल्स का खिताब जीता। टूर्नामेंट के समापन पर आराध्या, कृष, भावना और आद्विक को उनके संबंधित आयु वर्गों में पूरे टूर्नामेंट का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया।

**खिलाड़ियों को मिलेगा पूरा सरकारी सहयोग**

समापन समारोह में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना के चेयरमैन श्री के. शिव सेना रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ टीबीए के अध्यक्ष श्री रावुला श्रीधर रेड्डी और महासचिव श्री ए. पृथ्वीश्वर रेड्डी भी मौजूद थे।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। टीबीए के महासचिव पृथ्वीश्वर रेड्डी ने लीग को सफल बनाने के लिए माता-पिता और खिलाड़ियों का आभार जताया और वादा किया कि राज्य में बास्केटबॉल के विकास के लिए आगे भी ऐसी कई लीग और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

# दिल्ली कैपिटल्स में वापसी से ऋषभ अपना स्वाभाविक प्रदर्शन कर पायेंगे : डिविलियर्स

**बल्लेबाजी पर अधिक ध्यान दे सकेंगे**

**जोहांसबर्ग**

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स का मानना है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने जिस प्रकार से एक बार फिर अपनी पुरानी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। वह एक रणनीतिक कदम है। इससे उनके ऊपर अधिक वेतन को लेकर पड़ रहा दबाव कम होगा और वह अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकेंगे। ऋषभ ने हाल ही में लखनऊ सुपरजयंस में मिल रहे रिकार्ड 27 करोड़ के वेतन को छोड़कर 15 करोड़ में दिल्ली कैपिटल्स में वापसी की है। डिविलियर्स का मानना है कि वेतन का कम दबाव पंत को अपना स्वाभाविक खेल दिखाने में सहायता कर सकता है। पिछले सत्र में लखनऊ के साथ मतभेदों के कारण संभव नहीं हो पा रहा था।

डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र के दौरान ही ऋषभ की नाराजगी भी सुपरजायंट्स टीम से दिख रही थी। इससे भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। ऋषभ दो सत्र तक लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल रहे। वहीं इस बार ट्रेड करार के तहता वह दिल्ली कैपिटल्स में लौट आए हैं। ऋषभ ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2016 में दिल्ली कैपिटल्स से ही की थी। अब अगले आईपीएल सत्र में सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि ऋषभ अपनी पुरानी टीम में वापसी के बाद किस तरह का प्रदर्शन करते हैं और दिल्ली कैपिटल्स नए बदलावों के साथ कितनी सफलता हासिल कर पाती हैं या नहीं। लखनऊ सुपर जायंट्स में रहते हुए ऋषभ को आईपीएल में सबसे ज्यादा 27 करोड़ रुपये की राशि मिली थी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स में वापसी के बाद उनका वेतन घटकर 15 करोड़ रुपये रह गया है। डिविलियर्स के अनुसार पिछले सत्र में ऋषभ ने कई बार संकेत दिये थे कि वह वह टीम के माहौल से खुश नहीं हैं। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ के साथ भी उनका तालमेल नहीं था। कप्तान के तौर पर वह लखनऊ सुपर जायंट्स में असफल रहे थे। ऋषभ के दिल्ली से जुड़ने के अलावा भी टीम में कई अन्य बदलाव इसके तहत पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक बार फिर टीम के क्रिकेट निदेशक की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं, जबकि पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह के बल्लेबाजी कोच बनने की संभावनाए हैं।

डिविलियर्स हालांकि लगातार बदलावों को सही नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि ज किसी टीम में बार-बार मालिक, कोच और प्रबंधन बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए स्थिर माहौल बनाना मुश्किल हो जाता है। उनका मानना है कि ऐसी स्थिति में खिलाड़ियों के लिए पूरी तरह सकारात्मक मानसिकता बनाए रखना आसान नहीं होता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऋषभ के लिए कम वेतन पर खेलना शायद मानसिक रूप से राहत देने वाला साबित हो सकता है। इससे उन पर अपेक्षाकृत कम दबाव रहेगा और वह अपने स्वाभाविक खेल पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगे। हालांकि डिविलियर्स ने यह भी माना कि दिल्ली कैपिटल्स को लगातार सफल टीम बनाने के लिए प्रबंधन में स्थिरता और स्पष्ट रणनीति की जरूरत होगी।

# खाद्य महंगाई का खतरा, आलू, प्याज, टमाटर के दामों में फिर तेजी

**गर्मी और आपूर्ति बाधित होने से बढ़े दाम, दिल्ली में टमाटर दोगुना महंगा**

नई दिल्ली

देश के कई शहरों में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। इन प्रमुख सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की महंगाई यानी कि खाद्य मुद्रास्फीति (फूड इंफ्लेशन) बढ़ने का डर सताने लगा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में टमाटर की औसत खुदरा कीमत में 18 फीसदी, प्याज में 11 फीसदी और आलू में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यदि साल-दर-साल के आधार पर देखें तो टमाटर 25 फीसदी और प्याज 3.3 फीसदी महंगा हुआ है, जबकि आलू की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। भीषण गर्मी और आपूर्ति श्रृंखला में कमी का सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों में प्याज की कीमतों में भी 10-20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। अल-नीनो प्रभाव और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने विशेष रूप से टमाटर जैसी नाजुक फसल को सबसे अधिक प्रभावित किया है। आजादपुर प्याज व्यापारी संघ के अनुसार, टमाटर की कम आवक के साथ-साथ गर्मी के कारण इसके परिवहन में भी परेशानी आ रही है।

## चीन की अर्थव्यवस्था को एआई हार्डवेयर का सहारा, जून में विनिर्माण बढ़ा

**हांगकांग।** कृत्रिम मेधा (एआई) हार्डवेयर की मजबूत निर्यात मांग के दम पर जून में चीन की विनिर्माण गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई है। मंगलवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के मुताबिक, देश का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) मई के 50 से बढ़कर जून में 50.3 पर पहुंच गया, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत है। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहा और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था की चिंताओं के बीच राहत लेकर आया। सर्वेक्षण से पता चला कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक मई के 49.9 से बढ़कर जून में 51.2, और उत्पादन का उप-सूचकांक 51.2 से बढ़कर 51.4 हो गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के मुख्य सांख्यिकीविद हुओ लिहुई ने कहा कि जून के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में सुधार का रुख दर्शाते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि एआई उत्पादों के बढ़ते निर्यात से चीन इस साल के 4.5 से 5 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

## न्यूज ब्रीफ

### सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ अथर्व पॉलीप्लास्ट का आईपीओ, 7 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** प्लास्टिक कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी अथर्व पॉलीप्लास्ट लिमिटेड का 27 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में दो जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद तीन जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि छह जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 2:55 बजे तक ये आईपीओ 89 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 55 रुपये से लेकर 60 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 45 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.33 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.38 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.27 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए हॉरिजॉन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं आरके स्टॉक होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

### भारतीय उद्योग में तेजी, मई में आईआईपी ग्रोथ 5.1 फीसदी पर पहुंची

**नई दिल्ली।** भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत में, मई महीने में देश की औद्योगिक गतिविधियों ने ज़ोर पकड़ा है। फैक्ट्रियों का उत्पादन मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी)बढ़कर 5.1 फीसदी पर पहुंच गया है, जो अप्रैल के 4.9 फीसदी से अधिक है। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और बिजली उत्पादन को जाता है, जो उद्योगों में निरंतर मजबूती को दर्शाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, कंप्यूटर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, बिजली और गैस सप्लाई सेक्टर में 9.9 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन 18% बढ़ा। एंटीक ब्रोकिंग के मुताबिक, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) का उत्पादन 12.9 फीसदी बढ़ा, जो कंपनियों के बढ़ते निवेश का स्पष्ट संकेत है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (कंज्यूमर ड्यूरेबल्स) में भी 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, कुछ चिंताएं भी बरकरार हैं।

### बीएटी में 9,000 नौकरियों की छंटनी, सिगरेट से वेप की ओर शिफ्ट

**नई दिल्ली।** दुनिया की प्रमुख तंबाकू कंपनी ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने वैश्विक स्तर पर लगभग 9,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह फैसला सिगरेट की घटती मांग और कंपनी के व्यापार मॉडल को पारंपरिक तंबाकू से हटाकर वेप, ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच जैसे स्मोक-फ्री उत्पादों पर केंद्रित करने की रणनीति का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएटी इस साल के अंत तक 5,500 कर्मचारियों को निकालेगी, जबकि करीब 3,500 पदों को आउटसोर्स किया जाएगा। यह कदम कंपनी के अमेरिका से बाहर के 47,000 कर्मचारियों में से लगभग 20 प्रतिशत को प्रभावित करेगा। इस पुनर्गठन का लक्ष्य 2028 तक सालाना करीब 600 मिलियन पाउंड (लगभग 6,800 करोड़ रुपये) की लागत बचाना है। कंपनी का मानना है कि 2026 तक रेगुलर सिगरेट की वैश्विक बिक्री में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, इसलिए व्यूस और वेलो जैसे नए उत्पादों पर बड़ा निवेश किया जा रहा है, जिनसे भविष्य की आधी से ज्यादा आय अर्जित करने का लक्ष्य है। छंटनी के साथ बीएटभ् कई फैक्टरियों को बंद कर रही है और प्रशासनिक कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व ऑटोमेशन का उपयोग बढ़ा रही है। बीएटी के सीईओ टाडेउ मारोको ने इस कठिन निर्णय पर दु:ख व्यक्त करते हुए प्रभावित कर्मचारियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

# सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ विनीत मोबाइल का आईपीओ, 7 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

**मल्टी ब्रैंड रिटेल मोबाइल बिजनेस के काम में लगी विनीत मोबाइल लिमिटेड का 34.13 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 02 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 03 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 06 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 07 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 2:40 बजे तक ये आईपीओ सिर्फ चार प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था।**

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 150 रुपये से लेकर 158 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 21.60 लाख नए शेयर बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 56 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए कंफर्ट सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, कंफर्ट सिक्योरिटीज लिमिटेड ही कंपनी का मार्केट मेकर भी है। विनीत मोबाइल की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 72 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 5.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 28.59 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 60.63 करोड़ के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 56.01 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 3.10 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में मामूली गिरावट के साथ 3.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 6.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 69 लाख रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 5.70 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 70 लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 4.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 9.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 1.05 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 5.72 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये बढ़ कर 7.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

# तेजा इंजीनियरिंग का आईपीओ खुला, 7 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

ऑयल एंड गैस सेक्टर के लिए सर्विस देने वाली कंपनी तेजा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज का 37.36 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में दो जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद तीन जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि छह जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर तीन बजे तक ये आईपीओ सिर्फ एक प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 220 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,64,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 16.98 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड और एसवीसीएम सिक्योरिटीज प्रा.लि. कंपनी के मार्केट मेकर हैं। तेजा इंजीनियरिंग की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.16 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 4.02 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को चार करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

## दिल्ली कैबिनेट ने नई ईवी नीति को दी मंजूरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राजधानी के प्रदूषण पर लगाम कसने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी गई है। यह नीति 1 जुलाई से दिल्ली में लागू होगी और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी, जिसका लक्ष्य दिल्ली को एक स्वच्छ महानगर में बदलना है। इस नीति के तहत, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 30,000 और तिपहिया वाहन खरीदने वालों को 50,000 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। सभी ईवी पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, जिसमें 30 लाख तक के चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुरानी बीएस-आईवी गाड़ियों को स्क्रैप करने पर 10,000 से 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार ने भविष्य की गतिशीलता के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। अगले साल 1 जनवरी से केवल इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा और 1 अप्रैल 2028 से सिर्फ इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा। अगले चार सालों में 15,000 करोड़ का निवेश कर 30,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने का लक्ष्य है। नीति अब उपराज्यपाल की अंतिम मंजूरी के लिए भेजी गई है, जिससे दिल्ली में ईवी को अपनाने और वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

# सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 1,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,020 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी स्टॉक मार्केट पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलॉजी शेयरों में आई तेजी के कारण मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 306.63 अंक यानी 0.59 प्रतिशत उछल कर 52,182.74 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 86.41 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,440.43 अंक के स्तर पर पिछले स्तर के सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 522.53 अंक यानी 2.07 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,820.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं

डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 52,161.65 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,484.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत फिसल कर 8,367.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत टूट कर 24,626.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,181.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 285.68 अंक यानी 1.24 प्रतिशत लुढ़क कर 22,741 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 143.83 अंक यानी 2.47 प्रतिशत टूट कर 5,676.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,004 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,583.30 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,389.26 अंक यानी 3.09 प्रतिशत उछल कर 46,389.16 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स भी इंडेक्स भी जोरदार मजबूती दिखा रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 125.35 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,520 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 992.89 अंक यानी 1.43 प्रतिशत की छलांग लगा कर 70,461 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,082.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 01 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# लेडीज़ सर्किल इंडिया ने रचा सेवा का नया कीर्तिमान

## 3.7 करोड़ से अधिक के सेवा प्रकल्पों से समाज में स्थायी बदलाव की दिशा में अग्रसर

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** लेडीज़ सर्किल इंडिया की एरिया 9 ने सेवा, नेतृत्व और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए समाजसेवा का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एरिया 9 की एरिया चेयरपर्सन दीपा शर्मा के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र की सभी सर्किलों ने विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक एवं स्थायी प्रभाव उत्पन्न किया है।

**628 से अधिक सामुदायिक सेवा गतिविधियाँ आयोजित**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एरिया 9 द्वारा 3.7 करोड़ से अधिक मूल्य के सेवा प्रकल्पों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया। इसके साथ ही 628 से अधिक सामुदायिक सेवा गतिविधियों का आयोजन कर समाज के विभिन्न वर्गों तक सहायता एवं सहयोग पहुँचाया गया। इन गतिविधियों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया।

संस्था की इन उपलब्धियों को प्रत्येक सदस्य के समर्पण, उत्साह और सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया गया है। एरिया 9 की सभी सदस्याएँ निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। संगठन का मानना है कि सेवा केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की अभिव्यक्ति है।

**सेवा, समर्पण और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने का संकल्प**

इस अवसर पर संगठन की ओर से सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह प्रेरणादायक यात्रा समाज के प्रति संस्था की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। लेडीज़ सर्किल इंडिया एरिया 9 ने सेवा, समर्पण और स्पष्ट उद्देश्य के साथ समाज में सार्थक एवं स्थायी बदलाव लाने की अपनी मुहिम को आगे भी जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया है। संस्था ने सभी सदस्याओं से इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

# वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान जगन्नाथ का महास्नान सम्पन्न

## 108 दिव्य औषधीय द्रव्यों एवं त्रिवेणी जल से हुआ अभिषेक

## 15 जुलाई को होंगे प्रथम दर्शन, 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बेगम बाजार स्थित खाकी अखाड़ा मठ, शंकर बाजार में पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर बालयोगी ब्रह्मर्षि महंत अमृत दास खाकी जी के सान्निध्य में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का पारंपरिक महास्नान उत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा को 108 दिव्य सर्व-औषधीय पंचरत्नों तथा पवित्र त्रिवेणी संगम के गंगा, यमुना एवं सरस्वती जल से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्नान कराया गया। सुगंधित द्रव्यों से संपन्न इस विशेष अभिषेक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

महास्नान के उपरांत दोपहर में महाप्रसादी का आयोजन किया गया। वहीं सायंकाल भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का श्री गणेश स्वरूप में अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में भजन संध्या, कीर्तन एवं महाप्रसादी का भी आयोजन किया गया।

धार्मिक परंपरा के अनुसार महास्नान के बाद भगवान को ज्वर (बुखार) आने की मान्यता है। इसी कारण आज से आगामी 15 दिनों तक भगवान एकांतवास में रहेंगे तथा इस अवधि में उन्हें विशेष काढ़े का भोग अर्पित किया जाएगा। इस दौरान आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन बंद रहेंगे।

मठ प्रशासन के अनुसार भगवान के प्रथम दर्शन 15 जुलाई को होंगे। इसके अगले दिन 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इस वर्ष रथ पर विशेष रूप से छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा, जिसकी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

कार्यक्रम में सी.एच. शिवलिंगय्या (आईएएस), महंत अरुण दास, महंत संजय दास, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, गोपाल राठी, रूप नारायण दरक, कमल नारायण दरक, जगत नारायण दरक, संजय कुमार तोतला, विजय कुमार तोतला, गिरिराज मिश्रा, पूनम मिश्रा, विनोद शर्मा, नीलेश मुंदड़ा, सुरेश गांधी, गोपाल शर्मा, बिहारी लाल यादव, रमेश लाल यादव, दिनेश यादव, योगेश यादव, शुभम तोतला, लखन तोतला, रित्विक सिंह, केशव तोतला, पुजारी श्याम सुंदर दायमा, शत्रुघ्न दायमा, श्रीकांत शर्मा, श्याम शर्मा, सूरज महाराज, पुष्पेंद्र शुक्ला, आदित्य नारायण मिश्रा, महेश गौतम, आशुतोष पाण्डेय, शिवशंकर महाराज, रोहित त्रिपाठी, एडवोकेट प्रेम राज, कमलेश द्विवेदी, मनीष मालाणी, पवन कुमावत, प्रभाकर गौतम एवं हरि शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# मानवता का सशक्त संदेश दे रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : निशा गुप्ता

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास मंगलवार को नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा को ही सच्ची ईश्वर सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निशा गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल अन्नदान का कार्य नहीं कर रहा, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश भी समाज तक पहुँचा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा पुण्य है और यही भावना इस ग्रुप को निरंतर सेवा के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग देते हुए संकल्प लिया कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से अन्नदान एवं जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे। सेवा के इस पुनीत कार्य की उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की एक प्रेरणादायी मिसाल बन चुका है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय अग्रवाल, किरण अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, नन्द किशोर अग्रवाल एवं सुरेश सिंघल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सभी के सुख, समृद्धि एवं विश्व कल्याण की मंगलकामना के साथ हुआ। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नदान सेवा आज समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती जा रही है और निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों के जीवन में आशा की नई किरण जगा रही है।

# सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा भगवान जगन्नाथ की भव्य स्नान यात्रा सम्पन्न

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के तत्वावधान में सोमवार, 29 जून 2026 को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं श्री सुभद्रा माई की ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा) श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 5:11 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधानों के साथ हुआ। समाज के स्वजातीय बंधुओं एवं महिलाओं ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा माई का विधिवत पवित्र स्नान कराया। इस अवसर पर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा का संपूर्ण परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा तथा चारों ओर जय जगन्नाथ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

स्नान अनुष्ठान के पश्चात सायं 7:21 बजे भगवान श्री जगन्नाथ जी का विशेष बुद्ध अवतार स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। भगवान के इस अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

श्रृंगार दर्शन के उपरांत महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। इसके पश्चात भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति एवं उत्साह का वातावरण बना रहा।

इस धार्मिक आयोजन में समिति के सभी पदाधिकारियों, स्वजातीय बंधुओं, महिलाओं एवं बालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन समिति ने समाजजनों एवं श्रद्धालुओं से आगामी 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) को सायं 3:11 बजे आयोजित होने वाली भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की।

# गणेश मंदिर में पुस्तक वितरण समारोह

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के प्रसिद्ध गणेश मंदिर, रामकोटी में एक पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस नेक कार्यक्रम का आयोजन सत्यनारायण यादव गारू एवं समिति के सदस्यों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। तेलंगाना फिशरमैन कोऑपरेटिव सोसायटी फेडरेशन लिमिटेड के चेयरमैन एम. साई अन्ना , कांग्रेस पार्टी की गोश महल इंचार्ज सुनथा अक्का , विनोद कुमार, चेतन , अनीश , ठुकर साहब, जगेश गौड़ एवं अन्य लोग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा के प्रति समर्पण और सामुदायिक सेवा की भावना प्रदर्शित की गई। पुस्तक वितरण से क्षेत्र के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध हो सकेगी, जो उनके भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

ऑल इन वन

बुधवार, 01 जुलाई, 2026
हैदराबाद

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# पेद्दापल्ली में 55 करोड़ से बनेंगी सीसी सड़कें-नाले, विधायक ने किया शिलान्यास

**पेद्दापल्ली, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)** तेलंगाना सरकार के सचेतक एवं विधायक चिंताकुंटा विजया रमना राव ने मंगलवार को पेद्दापल्ली शहर के वार्ड-12, सागर रोड में सीसी सड़कों और सीसी नालों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। यूआईडीएफ फंड के तहत इन कार्यों पर करीब 15.50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

नगरपालिका अध्यक्ष नूगिला मल्लैया और स्थानीय पार्षद डोड्डुपल्ली जगदीश ने नारियल फोड़कर कार्यों की शुरुआत की। इस अवसर पर पार्षद जगदीश ने अध्यक्ष को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

नगरपालिका अध्यक्ष ने कहा कि विधायक विजया रमना राव के सहयोग से शहर के सभी वार्डों में सीसी सड़क, सीसी नाले और भूमिगत पाइपलाइन का काम पूरा कर शहर का विकास किया जाएगा। इसके बाद अधिकारियों ने 12वें वार्ड में पेयजल कुएं और सफाई कार्यों का निरीक्षण भी किया।

कार्यक्रम में वार्ड-13 के पार्षद पगला श्रीकांत, नगरपालिका एमएई सतीश, नेता डोड्डुपल्ली शेखर, देवनंदी देवराज, कार्य निरीक्षक अनिल कुमार, सेनेटरी इंस्पेक्टर पुलिपका राजू, रागिनीडू मेडिकल स्टाफ डॉ. ममता, एएनएम निर्मला, आशा कार्यकर्ता ममता, नगरपालिका स्टाफ, वार्डवासी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

# जुक्कल विधायक ने किया एसआईआर का निरीक्षण

**मदनूर, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)**

कामारेड्डी जिले के जुक्कल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पिटलम मंडल केंद्र में आयोजित विशेष मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव ने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से एसआईआर गणना प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर कामारेड्डी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एले मल्लिकार्जुन भी उपस्थित रहे।

विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव ने सभी नागरिकों से विशेष मतदाता सूची संशोधन अभियान का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक एसआईआर गणना फॉर्म भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं और लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं।

# पीओके में पाकिस्तान मुर्दाबाद

## बडा विरोध प्रदर्शन, भारी नाराजगी

**नयी दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है। रावलकोट में हजारों प्रदर्शनकारी ईदगाह ग्राउंड पर जुटे। उन्होंने ऐलान किया कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने इस्लामाबाद के कंट्रोल को चुनौती देते हुए खाने की सप्लाई पर रोक का विरोध किया। इसके साथ ही लोगों ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर अनदेखी, आर्थिक शोषण और दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। यह प्रदर्शन लाइन ऑफ कंट्रोल के पास हुआ, जहां लोगों ने पाक सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। इस प्रदर्शन को इस्लामाबाद के कंट्रोल के लिए चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेता सरदार अम्मान खान ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। हमें पाकिस्तान की जरूरत नहीं है, बल्कि उसको हमारी जरूरत है। इस पर प्रदर्शनकारियों ने जोरदार तालियां बजाईं। कई लोगों ने झंडे लहराए और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारे लगाए। यह विरोध प्रदर्शन पिछले कुछ हफ्तों से चल रहे आंदोलन का हिस्सा है, जो अब राजनीतिक रूप ले चुका है। पाकिस्तानी अधिकारियों के दबाव के बावजूद हजारों लोग तीन हफ्ते से ज्यादा समय से रावलकोट में धरने पर बैठे हैं। वहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

**दूसरे रास्ते खुल गए तो...**

एलओसी के पास चल रहे धरने का जिक्र करते हुए सरदार अम्मान खान ने पाकिस्तान प्रशासन पर आंदोलन को कमजोर करने के लिए खाने की सप्लाई रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमारी औरतें और बच्चे सीजफायर लाइन पर जीरो पॉइंट पर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि वे कश्मीरियों को फूड सप्लाई रोक देंगे। उन्होंने कहा, हमें आपके राशन की जरूरत नहीं है। आपको हमारी जरूरत है। ध्यान से सोचिए, आपको हमारी जरूरत है। सरदार खान ने चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा न हो कि दूसरे रास्ते खुल जाएं और फिर पाकिस्तान को लोगों से रुकने की अपील करनी पड़े। उन्होंने कहा, ऐसा न होने दें कि दूसरे ट्रेड रूट फिर से खुल जाएं।

सरदार अम्मान खान ने पाकिस्तान के शासकों से हालात सामान्य करने की अपील भी की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को लोगों की मर्जी को पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा, ङ्खयदि आप हालात नॉर्मल करना चाहते हैं, तो शासकों को यह समझना होगा कि यह लोगों का राज है। यहां कोई मार्शल लॉ नहीं है। यहां कोई डिक्टेटर नहीं है।ङ्ख उन्होंने कहा कि यदि कोई डिक्टेटर होता भी, तो लोग उसे मंजूर नहीं करते। कश्मीर पाकिस्तान की प्रॉपर्टी नहीं है। इसे याद रखें। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आंदोलन का नया दौर तब शुरू हुआ जब पाकिस्तानी अधिकारियों ने पीओके के कुछ हिस्सों में अनाज, आटा और रोजाना की दूसरी जरूरी चीजों की आवाजाही रोक दी।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन पाबंदियों का मकसद आर्थिक दबाव बढ़ाकर आंदोलन को कमजोर करना था। आंदोलन कर रहे नेताओं के मुताबिक, यह प्रदर्शन अब 38 पॉइंट की मांगों को लेकर चल रहा है। इनमें महंगाई, बिजली की कीमतें, शासन व्यवस्था, सब्सिडी, बेरोजगारी और राजनीतिक भेदभाव जैसे मुद्दे शामिल हैं। पाकिस्तानी अधिकारी इस आंदोलन को तेजी से सुरक्षा मुद्दे के तौर पर देख रहे हैं। कई रिपोर्टों के मुताबिक, सरदार अम्मान खान समेत एक्टिविस्ट और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के सदस्यों पर आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई संगठन पर बैन लगाए जाने के बाद हुई।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह कानूनी कार्रवाई एक ऐसे आंदोलन को दबाने के लिए की गई, जिसकी शुरुआत आर्थिक परेशानियों से हुई थी लेकिन अब यह बड़ा राजनीतिक आंदोलन बन गया है। वहीं इलाके की रिपोर्टों के मुताबिक जून की शुरुआत से पीओके के कुछ हिस्सों में इंटरनेट सर्विस बंद है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कम्युनिकेशन रोकने का मकसद आंदोलन की तस्वीरें और वीडियो बाहरी दुनिया तक पहुंचने से रोकना था।

# सहकारिता सप्ताह के तहत सोसायटी परिसर में पौधारोपण

**मदनूर, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)**

तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार संयुक्त मंडल केंद्र स्थित सहकार सोसायटी कार्यालय में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारिता सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में सोमवार को सोसायटी कार्यालय परिसर में अध्यक्ष श्रीनिवास पाटिल के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में मदनूर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष दरासवार सायलू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम पटेल, मंडल युवा कांग्रेस अध्यक्ष हनमंत यादव, सचिव गंगाधर सहित सोसायटी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# गरीब गर्भवती महिलाओं को मिलेगी नि:शुल्क प्रसव सेवा

## विधायक राजा सिंह ने किया पोस्टर जारी

पेद्दापल्ली, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने कहा कि समाज की हर गर्भवती महिला को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलना आवश्यक है। मंगलवार को पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में उन्होंने विश्वहित सेवा ट्रस्ट और विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आर्थिक रूप से कमजोर गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क प्रसव सेवा शुरू करने संबंधी प्रचार पोस्टर का विमोचन किया। विधायक ने कहा कि प्रियंका मैटरनिटी क्लिनिक की यह पहल पेद्दापल्ली जिले के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने इस नवाचार के लिए अस्पताल प्रबंधन को बधाई दी। विहिप जिलाध्यक्ष डॉ. स्वरूप किरण गौड़ ने बताया कि विश्वहित सेवा ट्रस्ट और प्रियंका मैटरनिटी क्लिनिक मिलकर सेवा भाव से निःशुल्क प्रसव सुविधा उपलब्ध कराएंगे। महंगी से महंगी डिलीवरी प्रक्रिया भी पूरी तरह निःशुल्क होगी और नवजात शिशु के स्वास्थ्य को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी।

जरूरतमंद गर्भवती महिलाएं मोबाइल नंबर 9492202108 पर संपर्क कर सकती हैं।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी, ट्रस्ट के प्रतिनिधि और अस्पताल स्टाफ मौजूद रहे।

# प्रथम पृष्ठ का शेष...

## डॉलर...

इसमें स्थानीय मुद्रा में लेनदेन सहित भुगतान-प्रणाली सहयोग का जिक्र किया गया था। यह संयुक्त विजन अगस्त 2025 में 15वें भारत-जापान सालाना शिखर सम्मेलन के लिए मोदी की टोक्यो यात्रा के बाद जारी किया गया था।

**भारत बढ़ा रहा है लोकल करेंसी सेटलमेंट का दायरा**

भारत बाहरी व्यापार में स्थानीय मुद्रा सेटलमेंट का दायरा बढ़ा रहा है। जुलाई 2022 में आरबीआई ने एक विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता फ्रेमवर्क के जरिए भारतीय रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार की इनवॉइसिंग, भुगतान और सेटलमेंट की अनुमति दी थी। बाद में वित्त मंत्रालय ने संसद को बताया कि इस व्यवस्था का मकसद भारत से एक्सपोर्ट पर जोर देते हुए ग्लोबल ट्रेड को बढ़ावा देना और रुपये में दिलचस्पी को सपोर्ट करना था।

आरबीआई के अपडेटेड एफएक्यूएस रुपये में ट्रेड सेटलमेंट को मौजूदा सिस्टम (जिसमें आसानी से बदली जा सकने वाली करेंसी का इस्तेमाल होता है) के अलावा एक और व्यवस्था को बताया गया है। कहा गया है कि इससे हार्ड करेंसी पर निर्भरता कम होगी। सेंट्रल बैंक ने यह भी कहा है कि इस मैकेनिज्म के तहत रुपये और दूसरी विदेशी करेंसी के बीच एक्सचेंज रेट मार्केट के हिसाब से तय होंगे।

तब से इस फ्रेमवर्क का दायरा बढ़ाया गया है। अगस्त 2025 में रॉयटर्स ने रिपोर्ट किया था कि आरबीआई ने स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट रखने वाली विदेशी कंपनियों को सरप्लस बैलेंस को सेंट्रल गवर्नमेंट की सिक्योरिटीज में इन्वेस्ट करने की इजाजत दी।

रॉयटर्स ने संसद को दी गई जानकारी का हवाला देते हुए यह भी बताया कि आरबीआई ने 30 ट्रेडिंग पार्टनर देशों के 123 कॉरेस्पोंडेंट बैंकों के लिए 26 भारतीय बैंकों के साथ 156 स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट को मंजूरी दी थी।

जापान ने एशिया में इसी तरह की लोकल-करेंसी सेटलमेंट व्यवस्थाओं का इस्तेमाल किया है। दिसंबर 2025 में रॉयटर्स ने रिपोर्ट किया कि जापान और इंडोनेशिया ने सभी द्विपक्षीय लेनदेन में लोकल करेंसी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सहयोग के एक नए और विस्तृत मेमोरेंडम पर साइन किए। यह 2019 में पहली बार साइन किए गए फ्रेमवर्क पर आधारित था। येन-रुपया प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब जापान भारत के साथ अपने आर्थिक संबंधों को गहरा करना चाहता है। रॉयटर्स ने रिपोर्ट किया कि मोदी की 2025 की टोक्यो यात्रा के दौरान जापान ने अगले दशक में भारत में अपना निवेश दोगुने से ज्यादा करके 61 अरब डॉलर से अधिक करने का वादा किया था।रॉयटर्स की ओर से बताए गए भारतीय सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि अप्रैल और दिसंबर 2025 के बीच भारत में जापानी निवेश 3.2 अरब डॉलर था।

## जन्मभूमि...

बल्कि ट्रम्प के आदेश पर रोक लगी थी। इसके बाद फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अब अंतिम फैसला देते हुए कहा कि 14वां संशोधन जन्मजात नागरिकता की गारंटी देता है। इसलिए ट्रम्प का आदेश असंवैधानिक है और उसे रद्द कर दिया।

1 अप्रैल को ट्रम्प इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मौजूद रहे। किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति का सुप्रीम कोर्ट में इस तरह सुनवाई के दौरान मौजूद रहना बेहद दुर्लभ माना जाता है। अगर ट्रम्प का यह आदेश लागू हो जाता, तो हर साल अमेरिका में जन्म लेने वाले करीब 2.5 लाख बच्चों की कानूनी स्थिति प्रभावित होती। साथ ही परिवारों को अपने नवजात बच्चे की नागरिकता तय कराने के लिए माता-पिता की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति के दस्तावेज भी देने पड़ते। यह फैसला ट्रम्प के लिए इसलिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान इसे खत्म करने का वादा किया था।

1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद, जुलाई 1868 में अमेरिकी संसद में 14वें संशोधन को मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि देश में पैदा हुए सभी अमेरिकी नागरिक हैं। इस संशोधन का मकसद गुलामी के शिकार अश्वेत लोगों को अमेरिकी नागरिकता देना था। हालांकि, इस संशोधन की व्याख्या इस प्रकार की गई है कि इसमें अमेरिका में जन्में सभी बच्चों को शामिल किया जाएगा, चाहे उनके माता-पिता का इमिग्रेशन स्टेटस कुछ भी हो।

ट्रम्प और उनके समर्थकों का दावा है कि इस कानून का फायदा उठाकर गरीब और युद्धग्रस्त देशों से आए लोग अमेरिका आकर बच्चों को जन्म देते हैं। ये लोग पढ़ाई, रिसर्च, नौकरी के आधार पर अमेरिका में रुकते हैं। बच्चे का जन्म होते ही उन्हें अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है। नागरिकता के बहाने माता-पिता को अमेरिका में रहने की कानूनी वजह भी मिल जाती है। अमेरिका में यह ट्रेंड काफी लंबे समय से जोरों पर है। आलोचक इसे बर्थ टूरिज्म कहते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक 16 लाख भारतीय बच्चों को अमेरिका में जन्म लेने की वजह से नागरिकता मिली है।

दिलचस्प बात यह है कि ट्रम्प के कई करीबी सहयोगी भी इसी जन्मजात नागरिकता व्यवस्था का लाभ उठा चुके हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो, एफबीआई निदेशक काश पटेल और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस के माता-पिता दूसरे देशों से अमेरिका आए थे। इनका जन्म अमेरिका में हुआ, इसलिए इन्हें जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिकता मिल गई।

भारतीयों को क्यों मिली राहत?

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस समय अमेरिका में करीब 54 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं। यह अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 1.6% है। इनमें बड़ी संख्या उन भारतीयों की है जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर लोग टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और फाइनेंस जैसे क्षेत्रों में कार्यरत हैं। अगर ट्रम्प का कार्यकारी आदेश लागू हो जाता, तो अमेरिका में रह रहे ऐसे हजारों भारतीय परिवार प्रभावित होते जो वहां बच्चे की योजना बना रहे हैं या जिनके बच्चे अमेरिका में जन्म लेते है।

## चंपत...

वहां शाखा प्रबंधक सहित पांच कर्मचारियों से पूछताछ की गई। पुलिस ने मंदिर के चढ़ावे से संबंधित जमा प्रक्रिया के दस्तावेज प्राप्त किए हैं। साथ ही आरोपियों के बैंक खातों का विवरण और पिछले पांच वर्षों का बैंक स्टेटमेंट भी मांगा गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि चढ़ावे की राशि बैंक तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया में कहीं कोई अनियमितता तो नहीं हुई। बैंक रिकॉर्ड और मंदिर के आंतरिक दस्तावेजों का मिलान जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि वित्तीय लेनदेन की कड़ियां स्पष्ट होने के बाद कई सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

**17 साल से अयोध्या में तैनात ठचज अर्जुन देव का तबादला**

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के बीच एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। उत्तर प्रदेश पुलिस के वायरलेस विभाग में तैनात रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) अर्जुन देव का तबादला अयोध्या से गोरखपुर कर दिया गया है। अर्जुन देव वर्ष 2009 से अयोध्या में तैनात थे और इस दौरान उनके कई तबादला आदेश जारी होने के बावजूद वे लगातार यहीं बने रहे। अब जांच एजेंसियां यह भी पड़ताल कर रही हैं कि आखिर एक ही जिले में उनकी लंबी तैनाती किन परिस्थितियों में बनी रही।

सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर परिसर में लगे वायरलेस सिस्टम, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और काउंटिंग रूम की निगरानी की जिम्मेदारी भी अर्जुन देव के पास थी। यही वजह है कि एसआईटी ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उनकी भूमिका से जुड़े कई बिंदुओं पर भी जानकारी जुटाई है। हालांकि अब तक किसी भी जांच एजेंसी ने उनके खिलाफ किसी आपराधिक जिम्मेदारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच अभी जारी है।

**एसबीआई ने 3 महीने पहले ही दी थी अनियमितता की जानकारी**

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े चढ़ावा चोरी की जांच तेज हो गई है। चढ़ावा चोरी केस की जांच अब बैंक खातों तक पहुंच गई है। चढ़ावा चोरी की जांच ऑडिट के अहम चरण में पहुंच गई है। अयोध्या पुलिस ने सात बैंकों से पिछले पांच वर्ष का रिकॉर्ड तलब किया है। इन बैंकों में ही चढ़ावा चोरी के आरोप में पकड़े गए आठ आरोपियों और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खाते हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसियों ने बैंक खातों का स्टेटमेंट, लेन-देन का विस्तृत रिकॉर्ड, केवाईसी दस्तावेज मांगे हैं। इसके पीछे फाइनेंशियल ट्रेल का पता लगाने की कोशिश वजह बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे मंशा इस बात का पता लगाना है कि राम मंदिर के दान प्रबंधन से जुड़े होने के दौरान इन आरोपियों के खाते से असामान्य जमा या निकासी या किसी और खाते में पैसा ट्रांसफर तो नहीं हुआ।

बताया जाता है कि चढ़ावा चोरी की जांच के दौरान पुलिस की एक टीम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की अयोध्या धाम शाखा भी पहुंची, जहां ट्रस्ट का दान से संबंधित खाता संचालित होता है। पुलिस टीम ने एसबीआई की ब्रांच से बैंकिंग रिकॉर्ड जुटाए। पुलिस ने छह अन्य बैंकों की ब्रांच का भी दौरा किया। जांच के दौरान जमा पर्चियों के साथ ही बैंक खाते के स्टेटमेंट, लेन-देन के रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

जमा पर्चियों और लेन-देन के रिकॉर्ड से मंदिर प्रशासन की ओर से दर्ज दान का रिकॉर्ड मैच कराकर भी देखा जा रहा है। बैंकिंग रिकॉर्ड का मिलान सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के साथ ही उपस्थिति रजिस्टर, नकद जमा रजिस्टर और जांच के दौरान जब्त किए गए अन्य दस्तावेजों से भी किया जाएगा। पुलिस ने एसबीआई की नया घाट शाखा के अधिकारियों से भी मैराथन पूछताछ की है।

एसबीआई से जुड़े सूत्रों की मानें तो संदिग्ध अनियमितता के संबंध में तीन महीने पहले ही पुलिस और ट्रस्ट को जानकारी दे दी गई थी। बैंक की ओर से इस संबंध में जानकारी दे दिए जाने के बाद भी न तो पुलिस और ना ही ट्रस्ट ने इसे लेकर कोई कार्रवाई की। सूत्रों का यह भी दावा है कि बैंक चढ़ावा गिनने वाले कर्मचारियों को भी तीन महीने पहले ही बदलना चाहता था, लेकिन ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने इसके लिए अनुमति नहीं दी।

## बांग्लादेश...

ये बांग्लादेश का राष्ट्रीय प्रतीक था ना सिर्फ बांग्लादेश के रक्षा बलों के लिए बल्कि सभी धर्मनिरपेक्ष लोगों और अवामी लीग जैसे संगठनों के बीच भी एक खास जगह रखती है।नॉर्थ ईस्ट न्यूज ने बताया है कि बांग्लादेशी सेना के कुछ सीनियर अधिकारियों ने बताया है कि 3 मई की सुबह 7 बजे से मशिखा अनिरबाणफ अस्थायी रूप से बुझी हुई है। उन्होंने बताया कि यह फैसला ऋ्र आर्मी साउथ के आदेश पर लागू किया गया है और यह अगले आदेश तक बुझी रहेगी। हालांकि अस्थाई रूप से भी बुझाने के पीछे की वजह के बारे में नहीं बताया गया है, लेकिन सीनियर अधिकारियों के निर्देश का हवाला दिया गया है।नॉर्थईस्ट न्यूज से बात करने वाले कुछ सीनियर रिटायर्ड अफसरों ने कहा कि मइतने अहम फैसलेफ के बारे में आर्मी चीफ को पता न हो ऐसा मुमकिन नहीं है। वे 22 मई को मक्का में छह दिन की हज यात्रा पर गए थे और 27 मई को ढाका लौटे थे। हालांकि लौटने के बाद वे एक हफ्ते से ज्यादा समय तक लोगों के सामने नहीं आए। जब वे सामने आए तो उनकी दाढ़ी बढ़ी हुई थी और मुमकिन है कि वे इसे जल्द नहीं हटाएंगे। आर्मी चीफ वकार-उज़-ज़मां क्लीन शेव में रहते थे और बांग्लादेशी सेना के कुछ सीनियर अधिकारियों ने कहा है कि दाढ़ी बढ़ाने का मतलब अब आर्मी चीफ के बहुत ज्यादा धार्मिक होने की निशानी है और वह भी तब जब उनके रिटायरमेंट में सिर्फ एक साल बचा है।

जनरल ज़मां बांग्लादेश आर्मी के इतिहास में शायद पहले ऐसे आर्मी चीफ हैं जिन्होंने दाढ़ी रखी है। यानि बांग्लादेश की सेना अब मजहबी हो रही है जिसने इतिहास में कुछ खतरनाक फैसले किए हैं। 1971 में देश के आजाद होने के बाद बांग्लादेशी सेना ने बांग्लादेश के संस्थापक शेख़ मुजीबुर रहमान की हत्या की है। यह हत्या कुछ कर्नलों और मेजरों ने की थी।

जनरल ज़मां 23 जून 2024 को बांग्लादेश के आर्मी चीफ बने थे और अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार को गिरा दिया गया था। उन्होंने सरकार को बचाने की कोशिश नहीं की थी और शेख हसीना के देश छोड़कर भागने का विकल्प दिया था। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद 5 अगस्त 2024 को जनरल ज़मां ने जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान को एक सभा में बुलाया था जहां से उन्होंने देश को संबोधित किया था।

फिर शेख हसीना और उनके पिता के विरासत को जब प्रदर्शनकारियों ने जलाना शुरू किया, शेख मुजीब उर रहमान की प्रतिमाओं को जब ढहाया जाने लगा तब भी जनरल ज़मां ने कोई कदम नहीं उठाया।इसीलिए मशिखा अनिरबानफ को बुझाने के फैसले और उसके बाद जनरल ज़मां के दाढ़ी रखने के निजी फैसले ने बांग्लादेश की कई राजनीतिक पार्टियों में यह अटकलें तेज कर दी हैं कि देश शायद पक्के तौर पर इस्लामीकरण की ओर बढ़ रहा है, खासकर तब जब धर्मनिरपेक्ष अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है और उसे देश की राजनीति से बाहर कर दिया गया है।

पाकिस्तानी सेना की राह पर बांग्लादेश

आपको बता दें कि पाकिस्तानी सेना में भी इसी तरह इस्लामीकरण शुरू हुआ था जब जिया उल हक ने जिहाद शुरू किया था। उन्होंने ना सिर्फ पाकिस्तानी सेना को कट्टरपंथी बना दिया बल्कि देश भर में सैकड़ों ऐसे मदरसे खोले जहां से बच्चों को जिहादी बनाया जा सके। आज का कट्टरपंथी पाकिस्तानी उसी प्रोजेक्ट का नतीजा है। बांग्लादेशी सेना भी उसी रास्ते पर कदम बढ़ा चुकी है।

बांग्लादेशी सेना का इस्लामीकरण शुरू

बांग्लादेश की सेना अभी तक इस्लामीकरण से दूर थी लेकिन अब शायद वो शुरू हो चुका है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में देश में भयानक कट्टरपंथी हवा चलने वाली है। बांग्लादेश सेना के नियम और कानून अधिकारियों को दाढ़ी बढ़ाने की अनुमति देते हैं लेकिन अपने कमांडिंग अधिकारियों से उचित अनुमति लेने के बाद ही।

## हार्मुज से...

बीच हुई बातचीत को भी इसी कड़ी में देखा जा रहा है। इस बीच, ईरान ने प्रधानमंत्री मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भेजा था। अयातुल्ला खामेनेई की हालिया संघर्ष के दौरान अमेरिका-इजरायल के हमले में मौत हो गई थी।

भारत की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा अंतिम संस्कार समारोह में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, सार्वजनिक श्रद्धांजलि समारोह 4 जुलाई को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड प्रेयर ग्राउंड्स में शुरू होगा। इसी समय से आम लोगों के लिए भी स्थल खोल दिया जाएगा।

**युद्ध के दौरान भी भारत ने ईरान से बनाए रखा संपर्क**

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच संघर्ष के दौरान क्षेत्रीय तनाव लगातार बढ़ता रहा, लेकिन भारत ने ईरान के साथ अपने कूटनीतिक संपर्क बनाए रखे। उच्चस्तरीय राजनीतिक संवाद, रणनीतिक बैठकों और मानवीय सहयोग के जरिए नई दिल्ली ने तेहरान के साथ कई स्तरों पर बातचीत जारी रखी। संघर्ष के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से दो बार बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय हालात, शांति, स्थिरता और संवाद की जरूरत पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के लगातार संपर्क में रहे। संघर्ष के दौरान दोनों नेताओं के बीच पांच से अधिक बार बातचीत हुई। इन चर्चाओं में क्षेत्रीय हालात, भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और तनाव कम करने के प्रयासों पर फोकस रहा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने भारत भी आए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और विदेश मंत्री जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। ईरान के उप विदेश मंत्री डॉ. सईद खतिबजादेह भी रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने नई दिल्ली पहुंचे, जहां वह प्रमुख वक्ताओं में शामिल रहे।

इसके अलावा ईरान ने अपनी सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को भारत में आयोजित ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में भेजा। इस दौरान ईरानी प्रतिनिधि ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा की। क्षेत्रीय संघर्ष के बावजूद ईरान ने भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक समेत कई बहुपक्षीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेना जारी रखा, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग की निरंतरता दिखाई दी।

# 108 कलश अभिषेक के साथ भगवान जगन्नाथ का महास्नान सम्पन्न

***-गजवेश में हुए भगवान के दिव्य दर्शन, 15 दिनों तक रहेंगे एकांतवास में***

***-16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा, छप्पन भोग महोत्सव की तैयारियाँ शुरू***

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में ज्येष्ठ पूर्णिमा स्नान उत्सव के अवसर पर भगवान जगन्नाथ का महास्नान एवं 108 कलश अभिषेक कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति में श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्यजी ने बताया कि श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के दिव्य आशीर्वाद से श्री जगन्नाथ मठ के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार सोमवार, 29 जून 2026 को शुभ मुहूर्त में ज्येष्ठ पूर्णिमा स्नान उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के देवविग्रहों को मंदिर से बाहर लाकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जलयात्रा एवं 108 कलश अभिषेक सम्पन्न कराया गया। संपूर्ण अनुष्ठान चक्रवर्ती गिरीधर आचार्य के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

**गजवेश में हुए भगवान के अलौकिक दर्शन**

महास्नान के उपरांत भगवान जगन्नाथ को हाथी स्वरूप में विशेष रूप से सजाया गया, जिसे ङ्गगजवेशफ अथवा ङ्गहाथी वेशफ कहा जाता है। इस दिव्य श्रृंगार के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गजवेश महोत्सव के मुख्य यजमान के रूप में वीरेंद्र अग्रवाल परिवार ने सेवा प्रदान की।

**स्नान पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व**

मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्यजी ने बताया कि ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को आयोजित होने वाला यह उत्सव ङ्गज्येष्ठाभिषेकफ, ङ्गस्नान पूर्णिमाफ अथवा ङ्गस्नान यात्राफ के नाम से प्रसिद्ध है। इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को 108 कलशों के पवित्र जल से स्नान कराया जाता है। वैदिक परंपरा के अनुसार इस विशेष स्नान के बाद भगवान को ज्वर आने की मान्यता है, जिसके कारण वे अगले 15 दिनों तक एकांतवास में रहते हैं।

**15 जुलाई तक रहेगा अनवसर काल**

महास्नान के बाद भगवान को मंदिर के गर्भगृह में विश्राम के लिए विराजमान किया गया। इस अवधि को ङ्गअनवसर कालफ कहा जाता है। आगामी 15 जुलाई तक भगवान एकांतवास में रहेंगे और इस दौरान आम भक्तों के लिए दर्शन बंद रहेंगे। भगवान को प्रतिदिन विशेष औषधियों एवं जड़ी-बूटियों से निर्मित काढ़े तथा फलों का भोग अर्पित किया जाएगा।

**16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा**

मठ प्रशासन के अनुसार भगवान जगन्नाथ 16 जुलाई को स्वस्थ होकर भक्तों को दर्शन देंगे और इसी दिन भव्य रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा के साथ ही छप्पन भोग महोत्सव भी आयोजित होगा। इस वर्ष छप्पन भोग के मुख्य यजमान के रूप में सुनील-निशा गुप्ता परिवार सेवा प्रदान करेगा।

**श्रद्धालुओं ने लिया पुण्य लाभ**

कार्यक्रम में प्रमुख यजमान एवं सहयोगी भक्तों में रूपेश अग्रवाल, गोवर्धन मर्दा, रमेश-निर्मला भालोटिया, गोपाल-निर्मला सोनी, कांता अग्रवाल, मधुबाला उपाध्याय, कलावती अम्मा, गोपाल जाजू, जसमत भाई पटेल (लव फॉर काऊ फाउंडेशन), रिद्धीश जागीरदार, जुगल किशोर सोनी, रमेश मोदानी, अच्युत स्वीकृत रामानुज, दुर्गाप्रसाद मोनी दुबे, आलोक शुक्ला, आलोकप्रसाद-स्वीटी तिवारी, जगदीश लोहिया, तरुण मेहता, गोविंद राठी, नरसिंहदास कासट, दामोदर मुंदड़ा, कमल किशोर काकानी, रोहित अग्रवाल, डॉ. अनंत काबरा, गुलाब-जयश्री देवड़ा, नवल झंवर, घनश्याम बजाज, जगदंबा अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, गोपाल शर्मा एवं अर्जुनलाल अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त श्रीनिवास सोमानी, श्याम सुंदर लाहोटी, भरत-राधा कलंत्री, महेश गुप्ता, सविता अग्रवाल, कुंती शर्मा एवं पुत्र पवन शर्मा, ओम प्रकाश मुंदड़ा, निर्मला बजाज, गोवर्धन-अन्नपूर्णा राठी, रामकिशोर सोनी, पूनम बाईजी, आनंद गिनीकुंतला, राजू जायसवाल, बद्री-सुरेखा सारड़ा, गोपी किशन वांग, रमाकांत इनानी, सुरेश अग्रवाल, घनश्यामदास राठी तथा समस्त भक्तवृंद ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

# हिंदी सेवी और कवयित्री श्रीमती रत्नकला मिश्रा का निधन

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

86 वर्षीय हिंदी सेवी और कवयित्री श्रीमती रत्नकला मिश्रा का आकस्मिक निधन दिनांक : 30-6-2026 को रात्रि 10-50 को हुआ है। उनका यह निधन बहुत ही दुखदायक है। वह अनेक वर्षों से कवियों की संस्था गीत चाँदनी, हिंदी लेखक संघ, सीत युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान, बच्चन अकादमी, कबीर डेरा, राष्ट्रीय विचार मंच आदि संस्थाओं की पदाधिकारी व संयोजिका के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान कीं और वह गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा थी। उन्होंने गवर्नमेंट हाई स्कूल हिंदी राजस्थानी में अपनी महत्वपूर्ण अध्यापन की सेवाएँ देने के बाद वह स्वयं के स्कूल और कॉलेज संचालित कर रही थी। शव-यात्रा उनके चेला पूरा निवास स्थान से दोपहर 11-30 बजे निकलेगी।

**भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को भारतीय जनता पार्टी की कार्यकारिणी बैठक में बीजेपी कार्यकारिणी सदस्य गोविंद नारायण राठी, पूर्व कॉरपोरेटर बेगम बाजार शंकर यादव और तेलंगाना के बीजेपी मंत्री महिपाल रेड्डी ने स्वागत किया। इस दौरान तेलंगाना की फोटो की पुस्तक उन्हें भेंट की गई।**

# सेवा और समर्पण की सशक्त पहचान बना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : मोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों एवं स्वयंसेवकों ने भाग लेकर जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया और मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर मोहित अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का पर्याय बन चुका है। उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराया जाता है तो उससे बड़ा कोई पुण्य नहीं होता। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाकर समाज के सामने प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से इस सेवा अभियान से जुड़कर तन, मन और धन से सहयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनमें आत्मीयता का भाव जगाना है।

राधे-राधे ग्रुप के नियमित सेवा कार्य समाज में संवेद-नशीलता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सशक्त कर रहे हैं। संस्था का यह अभियान अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर गति देने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन का वातावरण सेवा, सद्भाव, सहयोग और आत्मीयता से ओत-प्रोत रहा।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रेनू शर्मा, जगन गुप्ता, मोहित अग्रवाल एवं स्वास्ति अग्रवाल सहित अनेक समाजसेवी एवं सेवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अग्रवाल शिक्षा समिति के एमबीए विभाग की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के एमबीए विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश अभियान एवं विभागीय गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में आगामी शैक्षणिक वर्ष के प्रवेशों की समीक्षा करते हुए प्रवेश प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। उन्होंने जानकारी दी कि मैनेजमेंट कोटा के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ हो चुका है और प्रारंभिक प्रवेश भी प्राप्त हुआ है।

बैठक में प्रवेश समिति के संयोजक सत्यजीत सिंह ठाकुर एवं पद्मजा ने विभाग के सभी सहयोगियों के साथ मिलकर निर्धारित 120 सीटों को पूर्ण रूप से भरने का आश्वासन दिया। समिति के सदस्यों ने प्रवेश अभियान को प्रभावी बनाने तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों तक विभाग की उपलब्धियों एवं सुविधाओं की जानकारी पहुंचाने पर बल दिया।बैठक के दौरान एमबीए द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर की वाइवा परीक्षा को लेकर भी चर्चा की गई। विभाग की ओर से सभी विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छे अंक प्राप्त करने एवं सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

बैठक में कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, निदेशक प्रोफेसर पल्लवी के. रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह ठाकुर, किरण, वेंकटेश, रश्मिता, पद्मजा, कार्यालय प्रभारी सुनयना सहित विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

**नवनियुक्त मुख्य सचिव तेलंगाना सरकार संजय जाजू आईएएस से भेंट कर बधाई देते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग एवं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन श्रीगोपाल बंग ।**

# भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण केंद्र में खेत बचाओ अभियान का सफल समापन

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण (एसएलयूए-सआई), हैदराबाद केंद्र द्वरा 1 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित खेत बचाओ अभियान का सफलतापूर्वक समापन किया गया। अभियान के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के अलूरी सीताराम राजू एवं ईस्ट गोदावरी जिलों तथा तेलंगाना के विकाराबाद एवं रंगारेड्डी जिलों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को मृदा संरक्षण एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान बड़ी संख्या में किसानों को खेतों की मिट्टी के संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता बनाए रखने के उपायों तथा आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि मृदा संरक्षण और संतुलित पोषण प्रबंधन से न केवल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, बल्कि भूमि की उत्पादकता को भी लंबे समय तक बनाए रखा जा सकता है।

एक माह तक चले इस अभियान का समापन समारोह हैदराबाद स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया तथा अभियान से संबंधित सूचना पुस्तिकाएं एवं जागरूकता पत्रक वितरित किए गए।

समापन समारोह का शुभारंभ कार्यालयाध्यक्ष एवं मृदा सर्वेक्षण अधिकारी श्री संजय अ. ढाले के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि खेत बचाओ अभियान केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना तथा मृदा संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने किसानों से ऐसे अभियानों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में डॉ. दरावथ राजा, सहायक क्षेत्र अधिकारी, ने तेलुगु भाषा में किसानों को अभियान की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने मृदा संरक्षण, जैविक खेती तथा उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए नियमित मृदा परीक्षण अत्यंत आवश्यक है।

इसके बाद श्री कर्मवीर, सहायक क्षेत्र अधिकारी, ने हिंदी भाषा में किसानों को मृदा संरक्षण, जैविक खाद और रासायनिक उर्वरकों के समेकित एवं संतुलित उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की।

अभियान के सफल संचालन एवं समन्वय में डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुमावत, सहायक क्षेत्र अधिकारी, की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस अभियान में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि एवं मृदा संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यदि इस प्रकार की उपयोगी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए, तो उनका वास्तविक लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंच सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित किसानों को सम्मानित किया गया तथा उन्हें जैविक खाद वितरित की गई।

इस अवसर पर हर्षल एम. बोलके, डॉ. अमोल लक्ष्मण शिंदे, जया बब्बन तामगड़गे, चेतना बनसोडे, किरण कुमारा एच.ए., श्रीनिवास प्रसाद एल., जया किशोर रेड्डी (सहायक क्षेत्र अधिकारी), नागेन्द्र वी. (सहायक तकनीकी अधिकारी), बी. रमावती, पी. श्रीकांत, विकास गोसाई, एन.आर.पी. रेड्डी, नितिन एच. लोंढे, के. नरेश, संदीप बंसल, मनप्रीत सिंह तथा दिलीप कुमार सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# सिकंदराबाद माहेश्वरी महिला मंडल की 'रंगरेज़' प्रदर्शनी का पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'रंगरेज़' के पोस्टर का भव्य विमोचन मंडल की अध्यक्ष श्रीमती तारा बंग के नेतृत्व में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल की पदाधिकारियों एवं सदस्याओं ने प्रदर्शनी की तैयारियों पर चर्चा करते हुए आयोजन को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। मंडल की पदाधिकारियों ने बताया कि 'रंगरेज़' प्रदर्शनी का आयोजन आगामी 17 एवं 18 जुलाई को हरियाणा भवन, सिकंदराबाद में किया जाएगा। दो दिवसीय इस प्रदर्शनी में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से महिला उद्यमी एवं व्यवसायी भाग लेंगे।प्रदर्शनी में परिधान, राखियां, ज्वेलरी, होम डेकोर, हस्तशिल्प, लाइफस्टाइल उत्पादों के साथ-साथ स्वादिष्ट व्यंजनों के अनेक आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। मंडल की अध्यक्ष श्रीमती तारा बंग ने समाजबंधुओं एवं शहरवासियों से परिवार सहित प्रदर्शनी में पधारकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं की उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर मंडल की मंत्री सीमा इनानी, कोषाध्यक्ष पूजा लोया, उपाध्यक्ष सुनीता बजाज, श्रुति राठी, सुनीता इनानी, आशा लोया, प्रीति फोफलिया, गीता राठी, सुनंदा बलदेवा सहित मंडल की अनेक पदाधिकारी एवं सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का समापन 'रंगरेज़' प्रदर्शनी की सफलता की शुभकामनाओं तथा सभी उपस्थित सदस्यों के उत्साहपूर्ण सहयोग के साथ हुआ।

## सीएसआईआर-आईआईसीटी में 44.46 करोड़ के छात्रावास की आधारशिला, चार उन्नत आरएंडडी सुविधाओं का उद्घाटन संपन्न

# कृषि अनुसंधान-उद्योग भागीदारी से भारत के आर्थिक विकास में नई ऊर्जा आएगी: डॉ. जितेंद्र सिंह

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि कृषि अनुसंधान और उद्योग के बीच मजबूत भागीदारी वैज्ञानिक नवाचार से अधिक मूल्य सृजित करके भारत के आर्थिक विकास के अगले चरण को गति देगी। उन्होंने कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र अभी भी अपार अप्रयुक्त क्षमता प्रदान करता है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की वैज्ञानिक प्राथमिकताएं फसल सुधार से आगे बढ़कर कृषि अपशिष्ट और अवशेषों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने वाली तकनीकों के विकास तक विस्तृत हो गई हैं।

मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक हस्तक्षेप अब फसल सुधार से आगे बढ़कर कृषि अपशिष्ट और अवशेषों को पुन: उपयोग योग्य मूल्यवर्धित उत्पादों में बदलने वाली तकनीकों के विकास की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे किसानों, उद्योग और अर्थव्यवस्था के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

**चार उन्नत आरएंडडी सुविधाओं का उद्घाटन एवं छात्रावास की आधारशिला**

डॉ. जितेंद्र सिंह वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने सीएसआईआर-इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद में चार उन्नत अनुसंधान और विकास सुविधाओं का उद्घाटन किया और 200 छात्रों के लिए एक आधुनिक छात्रावास परिसर की आधारशिला रखी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने फ्लोरोकेमिकल्स के लिए उन्नत आरएंडडी सुविधा का उद्घाटन किया तथा सिरीपुरम हथकरघा क्लस्टर के लिए 500 केएलडी विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र, औद्योगिक रसायनों के लिए निरंतर प्रसंस्करण प्लेटफॉर्म और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग कॉम्प्लेक्स का राष्ट्र को समर्पण वर्चुअली किया।

मंत्री ने 44.46 करोड़ की लागत से बनने वाले छात्रावास परिसर की आधारशिला भी रखी, जो युवा शोधकर्ताओं के लिए आवासीय अवसंरचना को मजबूत करेगा। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, उद्योग प्रतिनिधियों, तकनीकी भागीदारों, स्टार्टअप्स, शोध विद्वानों और छात्रों ने भाग लिया, जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता को औद्योगिक नवाचार और आर्थिक मूल्य में बदलने पर बढ़ते जोर को दर्शाता है। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी, सीएसआईआर-सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय के. नंदीकोरी, सीएसआईआर-एनजीआरआई के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार, सीएसआईआर-नीरी के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन और सीडीएफडी के निदेशक प्रो. उल्लास कोल्थुर-सीताराम शामिल थे।

**वैज्ञानिक संस्थानों और उद्योग का समागाम आवश्यक**

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों का उद्योग के साथ समागाम अनुसंधान को आर्थिक मूल्य में बदलने के लिए अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशालाएं अब अलग-थलग काम नहीं कर सकतीं और उन्हें नवाचार और वाणिज्यीकरण को तेज करने के लिए उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और तकनीकी भागीदारों के साथ बढ़कर काम करना होगा। विशेष रूप से कृषि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे मूल्य श्रृंखला में वैज्ञानिक अनुसंधान, बेहतर तकनीकों से लेकर कृषि अवशेषों के उत्पादक उपयोग तक, मूल्य संवर्धन, ग्रामीण उद्यमशीलता और सतत औद्योगिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है।

**भारत का वैज्ञानिक परिवर्तन**

मंत्री ने कहा कि भारत एक अभूतपूर्व वैज्ञानिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है, जहां नवाचार राष्ट्रीय विकास का प्रमुख चालक बनता जा रहा है। रक्षा निर्माण, विमानन, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी में देश की हालिया उपलब्धियों का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि भारत तकनीकी दत्तक ग्रहणकर्ता से तकनीकी विकासकर्ता बनने की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है, जिसमें विज्ञान आर्थिक विकास, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के पीछे एक शक्तिशाली बल के रूप में उभर रहा है।

सीएसआईआर की भूमिका और हालिया उपलब्धियां

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सीएसआईआर ने लगातार प्रदर्शित किया है कि कैसे वैज्ञानिक अनुसंधान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को संबोधित करते हुए उद्योग और समाज के लिए व्यावहारिक समाधान दे सकता है। हाल ही में सीएसआईआर की खाद्य और कृषि अपशिष्ट से संपीडित बायोगैस उत्पादन और कैप्चर किए गए कार्बन डाइऑक्साइड को डाइमिथाइल ईथर में बदलने वाली तकनीकों का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि ये नवाचार स्वच्छ ऊर्जा, परिपत्र अर्थव्यवस्था और अपशिष्ट को मूल्यवान राष्ट्रीय संसाधनों में बदलने के प्रति भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी तकनीकें ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए नए रास्ते खोलती हैं।

**फ्लोरोकेमिकल्स सुविधा: रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति**

नव-उद्घाटित फ्लोरोकेमिकल्स के लिए उन्नत आरएंडडी सुविधा को रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति कहते हुए मंत्री ने कहा कि यह भारत की फ्लोरीनीकरण तकनीकों में स्वदेशी क्षमताओं को काफी मजबूत करेगी और फार्मास्युटिकल्स, एग्रोकेमिकल्स, विशेष रसायन, रेफ्रिजरेंट, इलेक्ट्रॉनिक रसायन और उन्नत सामग्री के विकास का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा आयात पर निर्भरता कम करेगी और रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का समर्थन करेगी, जिससे तकनीकी आत्मनिर्भरता के देश के दृष्टिकोण को और मजबूती मिलेगी।

**सिरीपुरम हथकरघा क्लस्टर: स्वच्छ उत्पादन का मॉडल**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से सिरीपुरम हथकरघा क्लस्टर के लिए विकसित 500 केएलडी विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र का संदर्भ देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह परियोजना दर्शाती है कि कैसे वैज्ञानिक नवाचार सीधे पारंपरिक उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी कम-ऊर्जा उपचार तकनीक प्रदूषण कम करेगी, भूजल की सुरक्षा करेगी, जल के पुन: उपयोग को सक्षम बनाएगी और पर्यावरणीय रूप से सतत वस्त्र उत्पादन को बढ़ावा देगी, जिससे यह सिद्ध होता है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी एक साथ आगे बढ़ सकते हैं।

**निरंतर प्रसंस्करण प्लेटफॉर्म: भविष्य की तकनीक**

निरंतर प्रसंस्करण प्लेटफॉर्म के बारे में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि निरंतर विनिर्माण तकनीकें रसायन और फार्मास्युटिकल उद्योगों का भविष्य हैं, क्योंकि ये सुरक्षा में सुधार, उत्पादकता बढ़ाने, उत्पाद स्थिरता सुनिश्चित करने और पर्यावरणीय प्रभाव कम करने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि यह सुविधा भारतीय उद्योग को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी विनिर्माण प्रणालियों को अपनाने में मदद करेगी, साथ ही प्रयोगशाला नवाचारों को वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य तकनीकों में तेजी से बदलने में सक्षम बनाएगी।

**सस्टेनेबल इंजीनियरिंग कॉम्प्लेक्स : परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर**

सस्टेनेबल इंजीनियरिंग कॉम्प्लेक्स को आज उद्घाटित सबसे भविष्य-उन्मुख पहलों में से एक बताते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह सुविधा भारत के परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण को दर्शाती है। अपशिष्ट प्लास्टिक, बायोमास, कृषि अवशेष और औद्योगिक उप-उत्पादों को ईंधन, हाइड्रोजन, उन्नत सामग्री और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों में बदलकर, यह परिसर दर्शाता है कि कैसे वैज्ञानिक नवाचार एक साथ स्थिरता, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और आर्थिक मूल्य सृजन को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी तकनीकें स्वदेशी वैज्ञानिक समाधानों के माध्यम से नेट जीरो हासिल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं।

प्रयोगशाला से उद्योग तक का सेतु

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि चारों सुविधाओं को जोड़ने वाला सामान्य धागा उनकी प्रयोगशाला अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोग से जोड़ने की क्षमता है। चाहे फ्ल-ोरोकेमिकल्स हो, स्वच्छ विनिर्माण, पर्यावरण तकनीकें या सतत इंजीनियरिंग, प्रत्येक पहल स्वदेशी तकनीकों को स्केल करने में स्टार्टअप्स, चडचए, उद्यमियों और स्थापित उद्योगों का समर्थन करने के लिए डिजाइन की गई है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता का वास्तविक माप केवल अनुसंधान प्रकाशनों में नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने, भारतीय उद्योग को मजबूत करने और आम नागरिकों के जीवन में सुधार लाने वाली तकनीकों में है।

**युवा शोधकर्ताओं के लिए विश्वस्तरीय अवसंरचना**

मंत्री ने सीएसआईआर-आईआईसीटी में लगभग 90 स्थायी कर्मियों, जिनमें लगभग 70 वैज्ञानिक और तकनीकी पेशेवर शामिल हैं, की हालिया भर्ती का स्वागत किया और कहा कि वैज्ञानिक प्रतिभा में निवेश को विश्वस्तरीय अनुसंधान अवसंरचना से मिलान करना होगा। नए छात्रावास परिसर का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं भविष्य के वैज्ञानिक नेताओं को पोषित करने, सहयोग को प्रोत्साहित करने और एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं जहां युवा शोधकर्ता स्वतंत्र रूप से नवाचार कर सकें।

**अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार**

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अनुसंधान राष्ट्रीय फाउंडेशन और गहन तकनीकों के लिए बढ़े समर्थन जैसी पहलों के माध्यम से सरकार एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बना रही है जहां अनुसंधान संस्थान, शिक्षा संस्थान, स्टार्टअप्स और उद्योग मिलकर वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी तकनीकें विकसित करें। उन्होंने कहा कि उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय प्रयोगशालाएं वैश्विक वैज्ञानिक अनुसंधान का नेतृत्व करें, भारतीय उद्योग उच्च-मूल्य तकनीकों का निर्माण करें और भारतीय नवाचार वैश्विक चुनौतियों के समाधान प्रदान करें।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों को बधाई देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने उन्हें उद्योग के साथ गहरा सहयोग बढ़ाने, युवा उद्यमियों का मार्गदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि हर आशाजनक प्रयो-गशाला नवाचार बाजार तक पहुंचे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीएसआईआर-आईआईसीटी अनुसंधान को उद्यम में, उद्यम को आर्थिक विकास में और नवाचार को जीवन की गुणवत्ता में सुधार में बदलने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा, जिससे भारत के वैश्विक वैज्ञानिक नेता बनने के सफर में सार्थक योगदान मिलेगा।

## संजय जाजू ने तेलंगाना के मुख्य सचिव का पद संभाला

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी संजय जाजू ने मंगलवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव का पद संभाला।

वर्ष 1992 बैच के आईएएस अधिकारी जाजू को पूर्व मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव के सेवा निवृत्त होने के बाद, 26 जून को जारी सरकारी आदेशों के तहत इस पद पर नियुक्त किया गया था।

पद संभालने के तुरंत बाद, विशेष प्रमुख सचिव, प्रधान सचिव , सचिव, विभागीय प्रमुख, सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री जाजू का स्वागत किया और नये मुख्य सचिव तथा उनके पूर्ववर्ती अधिकारी को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी।

## भाजपा अपने काम के दम पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस की नाकामियों पर नहीं: नितिन नबीन

हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को कहा कि पार्टी भविष्य के चुनाव कांग्रेस की नाकामियों के बजाय अपने खुद के काम के दम पर लड़ेगी। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना में पार्टी कार्यकर्ताओं से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी कोशिशें तेज करने का आह्वान किया। घाटकेसर में तेलंगाना राज्य पार्टी कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए श्री नबीन ने कहा कि 1984 में लोकसभा की सिर्फ़ दो सीटें जीतने से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक का भाजपा का सफ़र उसके बूथ-स्तर के कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों से प्रेरित यह पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक विकसित भारत बनाने के लिए काम कर रही है। यह दावा करते हुए कि पिछले 12 सालों में भाजपा सरकार ने विकास का फ़ायदा समाज के आख़िरी व्यक्ति तक पहुँचाना सुनिश्चित किया है, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस दौरान किसी भी केंद्रीय मंत्री पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा अब

22 राज्यों में सत्ता में है और पश्चिम बंगाल सहित चुनावी सफलता का श्रेय पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व और समर्पित कार्यकर्ताओं को दिया। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए नवीन ने आरोप लगाया कि उसकी छह गारंटियों में से एक भी पूरी नहीं हुई है और सरकार पर राज्य को कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बेरोज़गारी भत्ता और महिलाओं को आर्थिक सहायता जैसे वादे पूरे नहीं हुए हैं और सरकार को हटाने की मांग की। उन्होंने कांग्रेस, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्त-ेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर धर्म-आधारित आरक्षण का समर्थन करने का आरोप भी लगाया। साथ ही, उन्होंने दो-हराया कि भाजपा ऐसी नीति का विरोध करती है और तेलंगाना में सत्ता में आने पर इसे खत्म कर देगी। कांग्रेस-मुक्त तेलंगाना का आह्वान करते हुए, नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाजपा के मार्गदर्शक सिद्धांत-राष्ट्र पहले, पार्टी उसके बाद, और स्वयं सबसे अंत में- का पालन करने और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का आग्रह किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार, सांसद डी.के. अरुणा और डॉ. लक्ष्मण, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और अन्य लोग मौजूद थे।

### नीतिन ने बिहारी समुदाय के लोगों से मुलाकात की

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन ने मंगलवार को हैदराबाद में रहने वाले बिहारी समुदाय के प्रबुद्ध लोगों से मुलाकात की और सांस्कृतिक एकता एवं राष्ट्रीय अखंडता की भावना को रेखांकित किया।

इस दौरान तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव , सांसद एटाला राजेन्द्र और तेलंगाना संगठनात्मक महासचिव चंद्रशेखर उपस्थित थे।

श्री रामचंदर राव के अनुसार बिहारी समुदाय तेलंगाना की प्रगति एवं विकास में सक्रिय रुप से अपना योगदान दे रहा है।

## तेलंगाना में एसआईआर के तहत 59.81% गणना फ़ॉर्म बांटे गए

**हैदराबाद, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना में निर्वाचन आयोग ने एक अक्टूबर, 2026 को योग्यता तिथि मानते हुए मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू कर दी है और अब तक लगभग 60 प्रतिशत गणना फ़ॉर्म बांटे जा चुके हैं।

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने यह जानकारी दी।

मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में सीईओ ने बताया कि यह एसआईआर संविधान के अनुच्छेद 324, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 और निर्वाचक पंजीयन नियम, 1960 के तहत किया जा रहा है। फ़ॉर्म की छपाई और ट्रेनिंग जैसी तैयारी से जुड़ी गतिविधियां 15 जून से 24 जून के बीच पूरी कर ली गई थीं, जबकि बूथ लेवल अधिकारियों ने 25 जून से घर-घर जाकर सत्यापन (वेरिफ़िकेशन) का काम शुरू कर दिया था।

मंगलवार को दोपहर दो बजे तक, राज्य भर में कुल 2,02,32,055 गणना फ़ॉर्म बांटे जा चुके थे, जो कुल संख्या का 59.81 प्रतिशत है।

मतदाता सूची का ड्राफ़्ट 31 जुलाई को जारी किया जाएगा, जिसके बाद 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का समय होगा। अंतिम मतदाता सूची एक अक्टूबर को जारी की जाएगी।सीईओ कार्यालय ने बताया कि तेलंगाना में 33 ज़िले, 119 विधानसभा क्षेत्र, 35,985 पोलिंग स्टेशन और 3.38 करोड़ से ज़्यादा वोटर हैं।

इस काम को आसान बनाने के लिए सभी स्तरों पर चुनाव अधिकारियों को ट्रेनिंग दी गई है, साथ ही राज्य और ज़िला स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ बैठकें भी की गई हैं। डीईओ,ईआरओ और एईआरओ ऑफ़िस में कुल 1,035 हेल्प डेस्क बनाए गए हैं, और सभी बीएलओ को गणना फ़ॉर्म, वोटर फ़ॉर्म, घोषणा फ़ॉर्म और दूसरी ज़रूरी चीज़ें उपलब्ध कराई गई हैं।विज्ञप्ति में यह भी बताया गया है कि एफएम रेडियो, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और दूसरे साधनों के ज़रिए जागरूकता अभियान भी चलाए गए हैं।

### कार्टून कॉर्नर

## जगन्नाथ नायक डीआरडीओ में मिसाइल और रणनीतिक प्रणाली के महानिदेशक नियुक्त

हैदराबाद, 30 जून (वार्ता) प्रख्यात वैज्ञानिक जगन्नाथ नायक को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) का मिसाइल और रणनीतिक प्रणाली महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति एक जुलाई से प्रभावी होगी।

श्री नायक सेवानिवृत्त हो रहे यू. राजा बाबू का स्थान लेंगे। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक रक्षा बयान के अनुसार, वह कई प्रमुख वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अकादमियों तथा व्यावसायिक समितियों के फेलो भी हैं। वर्तमान में उच्च ऊर्जा प्रणाली और विज्ञान केंद्र के निदेशक के रूप में कार्यरत श्री नायक के पास रक्षा अनुसंधान में 35 से अधिक वर्षों का लंबा अनुभव है। उन्हें स्वदेशी एवियोनिक्स, निर्देशित मिसाइल तकनीकों और निर्देशित ऊर्जा हथियारों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। इस केंद्र के निदेशक के रूप में उन्होंने देश की पहली निर्देशित ऊर्जा हथियार प्रणाली के विकास, मैदानी परीक्षण और इसके तकनीकी हस्तांतरण का सफल नेतृत्व किया।

उन्होंने फाइबर ऑप्टिक गायरोस्कोप के स्वदेशी विकास का भी नेतृत्व किया और वे आकाश मिसाइल प्रणाली तथा ड्रोन-रोधी प्रणालियों के लिए फाइबर ऑप्टिक गायरो मार्गदर्शन के मुख्य निर्माता रहे हैं। उनके इन प्रयासों से महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकों में भारत की आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिला है।

भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व छात्र रहे श्री नायक ने इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने एक सौ पच्चीस से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और 10 से अधिक शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है।

उन्हें आर्यभट्ट पुरस्कार, आत्मनिर्भरता में उत्कृष्टता के लिए डीआरडीओ अग्नि पुरस्कार और राष्ट्रीय वैमानिकी पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

## नालगोंडा में बस की टैंकर से टक्कर, दो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

**नालगोंडा, 30 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के नालगोंडा जिले मंगलवार को विजयवाड़ा से हैदराबाद जा रही एक प्राइवेट बस की सामने से आ रहे सीमेंट टैंकर से टक्कर हो गयी, जिसमें दो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा कट्टंगुर मंडल में मुथ्यालम्मा गुडेम के पास बस का टायर फटने के कारण हुआ, जिससे ड्राइवर का बस से नियंत्रण हट गया। बस डिवाइडर पार करके टैंकर से जा टकरायी, जिससे उसका अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

बस और लॉरी के ड्राइवर अपने-अपने केबिन में फंस गए थे।

उन्हें पुलिस और स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला तथा पास के अस्पताल में भर्ती कराया। बस में सवार लगभग 40 यात्रियों को मामूली चोटें आईं। इस हादसे के कारण नेशनल हाईवे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक बाधित रहा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

**मौसम हैदराबाद**

अधिकतम : $29^0$
न्यूनतम : $23^0$

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.